आश्विन कृष्ण - 2 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 47 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 09-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रदर्शन का विश्लेषण करना और गलतियों से सीखना महत्वपूर्ण रहा : हरमनप्रीत

6 प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे मे

7 ईशा गुप्ता ने पूरी की 'धमाल 4' की शूटिंग

फर्स्ट टेक

हरियाणा बनेगा ड्रोन तकनीक का केंद्र : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने के मकसद से राज्य सरकार ने 'विकसित हरियाणा' के लिए एक ठोस रूपरेखा तैयार की है। सैनी ने यहां आयोजित ड्रोन पायलट और तकनीशियन के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इस दिशा में हरियाणा को ड्रोन प्रौद्योगिकी, नवाचार और नई तकनीकों का केंद्र बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। यहां एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस अवसर पर उन्होंने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा प्रमाणित 252 ड्रोन पायलट और 136 ड्रोन तकनीशियन को प्रमाण पत्र वितरित किए। देश का पहला ड्रोन निर्माण प्रौद्योगिकी केंद्र हिसार ज़िले के सिसाय गांव में स्थापित किया जा रहा है, जो दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा केंद्र होगा। यह ड्रोन निर्माण, मरम्मत और प्रशिक्षण के लिए आधुनिक सुविधाएं प्रदान करेगा।

मुंबई से आ रहा एयर इंडिया का विमान दिल्ली हवाई अड्डे पर दूसरे प्रयास में उतरा

नई दिल्ली/भाषा। मुंबई से आ रही एयर इंडिया की एक उड़ान सोमवार शाम को दिल्ली हवाई अड्डे पर नहीं उतर पायी। हालांकि दूसरे प्रयास में यह सुरक्षित रूप से उतर गयी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों में से एक ने बताया कि एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई- 2910 वाला विमान पहले प्रयास में इसलिए नहीं उतर पाया क्योंकि जब यह उतरने जा रहा था तो उसी दौरान यह तकनीकी या ऑपरेशनल मानकों के अनुसार नियंत्रित स्थिति में नहीं था। 'गो-अराउंड' के बाद विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली में पुनः उतरा।

जापान की अर्थव्यवस्था का अनुमान से बेहतर प्रदर्शन

टोक्यो/एपी। अमेरिकी शुल्क और घरेलू राजनीतिक अनिश्चितता की चिंताओं के बावजूद जापान की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अनुमान से कहीं अधिक तेजी से बढ़ी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार जापान का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर 2.2 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा पिछले महीने जारी किए गए 1.0 प्रतिशत वृद्धि के प्रारंभिक अनुमान से बेहतर है। इस दौरान ठोस उपभोक्ता खर्च और माल-भंडार के बढ़ने से अर्थव्यवस्था को समर्थन मिला।

09-09-2025 सूर्यास्त 6:25 बजे	10-09-2025 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
80,787.30 (+76.54)	24,773.15 (+32.15)

सोना	चांदी
11,081 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	127,055 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आजादी के मायने

सेवक खुद को मालिक कहते,
मालिक मजबूर बने वादी।
अपना ही घर भरने के हम,
हो चुके सभी इतने आदी।
घट गए मूल्य विद्वानों के,
हो गई आज मँहगी खादी।
है भेदभाव हर सिस्टम में,
फिर बोलो कैसी आजादी।।

जम्मू कश्मीर के कुलगाम में

मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर, दो सैन्यकर्मी शहीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में सोमवार को भीषण मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए और दो सैन्यकर्मी शहीद हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मारे गए आतंकियों में से एक के पाकिस्तानी नागरिक होने का संदेह है। मुठभेड़ में सेना का एक मेजर भी घायल हो गया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुडार वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद तलाश अभियान शुरू किया। तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाए जाने के बाद मुठभेड़ शुरू हो गयी।

अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान मुठभेड़ में दो जवान घायल हो गए, जिनकी पहचान सूबेदार प्रभात गौड़ और लांस नायक नरेंद्र सिंधु के रूप में हुई। इसके अलावा सेना का एक मेजर भी घायल हो गया।

गौड़ और सिंधु की मौत हो गई, जबकि मेजर की हालत स्थिर बताई गई है।

सेना की कश्मीर स्थित चिनार कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह देश के लिए कर्तव्य निभाते हुए बहादुर सैन्यकर्मियों सूबेदार प्रभात गौड़ और लेफ्टिनेंट कमांडर नरेंद्र सिंधु के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करती है। उनका साहस और समर्पण हमें हमेशा प्रेरित करता रहेगा।

भारत के उत्थान के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों से भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 'स्वदेशी मेला' आयोजित करने का आग्रह किया और कहा कि आत्मनिर्भरता ही भारत के उत्थान का मार्ग है।

सूत्रों ने बताया कि उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले सांसदों को संबोधित करते हुए मोदी ने भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया और लोगों को जीएसटी दरों में कटौती के व्यापक प्रभाव के बारे में बताने का आग्रह किया।

सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा उन्होंने सांसदों से खासकर त्योहारी सीजन में अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों एवं

- भारत पर 50 प्रतिशत का शुल्क लगाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद अमेरिका के साथ संबंधों में आई तल्खी के बीच, मोदी ने ''स्वदेशी'' का नारा बुलंद किया है, हालांकि वे लंबे समय से इस पर जोर देते रहे हैं।
- 'स्वदेशी मेला' आयोजित करने का आग्रह

व्यापारियों के साथ बैठकें करने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने बाद में कहा कि मोदी ने किसी देश का जिक्र नहीं किया, बल्कि आत्मनिर्भरता की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक मजबूत राष्ट्र के रूप में उभर रहा है, ऐसे में कुछ चुनौतियां भी आएंगी और विकसित राष्ट्र बनने की राह पर आगे बढ़ने के लिए उसे 'आत्मनिर्भर' होने की जरूरत है।''

भारत पर 50 प्रतिशत का शुल्क लगाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद अमेरिका के साथ संबंधों में आई तल्खी के बीच, मोदी ने ''स्वदेशी'' का नारा बुलंद किया है, हालांकि वे लंबे समय से इस पर जोर देते रहे हैं।

रीजीजू ने कहा कि उन्होंने सांसदों से अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए मेले आयोजित करने और इसमें नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लोगों को भारत में निर्मित उत्पादों पर उतना ही गर्व होना चाहिए, जितना वे कभी जापानी वस्तुओं पर महसूस करते थे।

मोदी ने सांसदों से कहा कि वे जिस कार्यक्रम में शामिल हों, स्वदेशी उसका हिस्सा होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से एक लहर पैदा हुई है और सांसद जनता के साथ बैठकें करके इस संदेश को उन तक पहुंचाएं।

सूत्रों ने बताया कि मोदी ने सांसदों को सलाह दी कि वे मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में सही तरीके से मतदान करें, ताकि कोई भी वोट बर्बाद न हो।

वैश्विक व्यापार चुनौतियों को अवसर में बदलने की जरूरत : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत को वैश्विक व्यापार चुनौतियों को नए अवसरों में बदलने के लिए अपनी असाधारण क्षमताओं का लाभ उठाना चाहिए। मुर्मू ने इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के प्लैटिनम जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले सात दशक में भारत के इंजीनियरिंग निर्यात गंतव्यों में उल्लेखनीय बदलाव आया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी को परिवर्तन की इस प्रक्रिया को जारी रखना चाहिए और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए काम करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारे देश में उपलब्ध असाधारण क्षमताओं का उपयोग करके वैश्विक व्यापार की चुनौतियों को अवसरों में

बदलने की आवश्यकता है।''

राष्ट्रपति ने कहा कि कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली इंजीनियरिंग सेवाएं और उत्पाद भारत की एक बड़ी ताकत हैं। पिछले 10 साल में, भारत का इंजीनियरिंग निर्यात 70 अरब डॉलर से बढ़कर 115 अरब डॉलर से अधिक हो गया है।

मुर्मू ने कहा कि पिछले दशक में अंतरराष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र में कई चुनौतियां रही हैं, इसको देखते हुए निर्यात में यह वृद्धि और भी प्रभावी लगती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी ने अंतरराष्ट्रीय बाजार और भारतीय उत्पादकों के बीच एक सेतु का काम किया है। उन्होंने ईईपीसी से वैश्विक मूल्य शृंखला में भारत की भूमिका का निरंतर विस्तार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विश्व व्यापार और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था में हो रहे बदलावों के कारण, ईईपीसी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। आर्थिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पक्ष होने के नाते, ईईपीसी को और भी दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करना चाहिए।

धोखाधड़ी मामले में रियल एस्टेट कारोबारी की 100 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि धोखाधड़ी के एक मामले में धन शोधन निरोधक कानून के तहत उत्तर प्रदेश के एक रियल एस्टेट कारोबारी और उसकी कंपनी की 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई है। बयान में कहा गया है कि ये संपत्तियां 'अरण्य परियोजना' से संबंधित हैं, जिसका विकास अनिल मिठास की उन्नति फॉर्च्यून होल्डिंग्स लिमिटेड (यूएफएचएल) द्वारा किया जा रहा है। गाजियाबाद स्थित रियल एस्टेट कारोबारी मिठास को संघीय जांच एजेंसी ने अप्रैल में गिरफ्तार किया था और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। ईडी ने मई में गाजियाबाद स्थित विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में उसके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। ईडी ने एक बयान में कहा कि जांच में पाया गया कि 2011 से 2019 के दौरान इक्विटी निवेश, वरीयता शेयर, डिबेंचर/बॉन्ड समेत अन्य माध्यम से मिठास ने लगभग 126.30 करोड़ रुपये की हेराफेरी की।

भारत की साक्षरता दर 74 प्रतिशत से बढ़कर 80.9 प्रतिशत हुई : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा कि भारत की साक्षरता दर वर्ष 2011 में 74 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 80.9 प्रतिशत हो गई, लेकिन वास्तविक प्रगति तभी होगी जब साक्षरता हर नागरिक की जिंदगी का हिस्सा बन जाएगी।

प्रधान ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2025 के अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से दिए गए अपने संबोधन में कहा, ''साक्षरता सिर्फ पढ़ने और लिखने तक सीमित नहीं है। यह गरिमा, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का माध्यम है।''

उन्होंने कहा, ''भारत की साक्षरता दर 2011 में 74 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 80.9 प्रतिशत हो गई है, लेकिन असली प्रगति तभी हासिल होगी जब साक्षरता हर नागरिक के लिए एक जीवंत वास्तविकता बन जाएगी।''

उन्होंने उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का जिक्र किया, जिसके अंतर्गत तीन करोड़ से अधिक शिक्षार्थी और 42 लाख स्वयंसेवक नामांकित हैं। उन्होंने कहा, ''लगभग 1.83 करोड़ शिक्षार्थी पहले ही बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता मूल्यांकन में शामिल हो चुके हैं, जिसमें 90 प्रतिशत सफलता मिली है। यह कार्यक्रम अब 26 भारतीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री प्रदान करता है, जिससे साक्षरता वास्तव में समावेशी बन रही है।''

फ्रांस के प्रधानमंत्री नहीं हासिल कर पाए विश्वास मत, सरकार गिरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/एपी। फ्रांस के प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू सोमवार को संसद में विश्वास मत हासिल करने में नाकाम रहे और इसके साथ ही उनकी सरकार गिर गई। अब राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को 12 महीने में चौथी बार नया प्रधानमंत्री तलाश करना होगा। बायरू की सरकार के पक्ष में 194 जबकि विरोध में 364 वोट पड़े। मैक्रों ने पिछले साल दिसंबर में बायरू (74) को प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। सरकार गिरने के बाद बायरू को संवैधानिक रूप से बाध्य होकर मैक्रों को इस्तीफा सौंपना होगा। इससे पहले बायरू ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए काफी कोशिश की। उन्होंने सोमवार को मतदान से पहले, उन्हें सत्ता से बेदखल करने की उम्मीद कर रहे सांसदों से फ्रांस के कर्जों पर लगाम लगाने की उनकी योजना का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने इस कर्ज के बारे में कहा, ''यह हमें डुबो रहा है।'' नेशनल असेंबली में दिए गए एक जोशीले भाषण में बायरू इस बात पर अड़े रहे कि फ्रांस का बढ़ता सार्वजनिक घाटा और बढ़ता कर्ज इसके भविष्य के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्ज आने वाली पीढ़ियों पर भारी पड़ेगा, फ्रांस को विदेशी कर्जदाताओं के प्रति कमजोर बना देगा और अगर इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो यह देश की बहुमूल्य सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमारे देश के लोग काम करते हैं और सोचते हैं कि यह समृद्ध होता जा रहा है, लेकिन असल में देश गरीब होता जा रहा है।''

बायरू की सरकार के पक्ष में 194 जबकि विरोध में 364 वोट पड़े।

यरुशलम में गोलीबारी में कम से कम चार लोगों की मौत, 15 घायल

यरुशलम/एपी। उत्तरी यरुशलम में भीड़भाड़ वाले एक चौराहे पर एक बस पर गोलीबारी में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। पराचिकित्सकों ने बताया कि 15 अन्य लोग घायल हुए हैं और छह की हालत गंभीर है। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी शुरू होने के तुरंत बाद दो हमलावरों को ''ढेर'' कर दिया गया, लेकिन हमलावरों की स्थिति पर टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। गोलीबारी यरूशलम के उत्तरी प्रवेश द्वार पर एक प्रमुख चौराहे पर हुई, जो पूर्वी यरूशलम में स्थित यहूदी बस्तियों की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित है।

इज़राइली मीडिया के अनुसार, दो हमलावर एक बस में सवार हुए और गोलीबारी शुरू कर दी। हमले के फुटेज में सुबह के व्यस्त समय में भीड़भाड़ वाले चौराहे पर स्थित एक बस स्टॉप से कई लोग भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटनास्थल पर पहुंचे पराचिकित्सकों ने बताया कि इलाके में अफरा-तफरी मची हुई थी और टूटे हुए शीशे बिखरे पड़े थे, सड़क पर और बस स्टॉप के पास फुटपाथ पर लोग घायल और बेहोश पड़े थे।

फलस्तीनी चरमपंथी समूहों की ओर से हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। गाजा में युद्ध ने इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक और इजराइल दोनों में हिंसा में वृद्धि की है। पिछले कुछ महीनों में इज़राइल में छिटपुट हमले हुए हैं, लेकिन आखिरी घातक सामूहिक गोलीबारी अक्टूबर 2024 में हुई थी।

भारत का इजराइल के साथ निवेश समझौता, निवेशकों को दी 'छूट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और इजराइल ने सोमवार को द्विपक्षीय निवेश समझौते (बीआईए) पर हस्ताक्षर किए जिसमें इजराइली निवेशकों के लिए स्थानीय उपायों की समाप्ति अवधि को पांच वर्ष से घटाकर तीन वर्ष कर दिया गया है।

इस प्रावधान को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ निवेश समझौते में भी शामिल किया गया था जो पिछले साल लागू हुआ था।

स्थानीय उपायों की समाप्ति का मतलब है कि किसी विदेशी निवेशक को अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता में जाने से पहले मेजबान देश की कानूनी प्रणाली में उपलब्ध उपायों का सहारा लेना अनिवार्य होता है। भारत में इस अवधि को पांच वर्ष रखा गया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के निवेशकों को भरोसा देने के साथ

निवेशों की सुरक्षा, पारदर्शिता, मुआवजा और सुगम हस्तांतरण का प्रावधान करता है।

मंत्रालय के मुताबिक, यह निवेश समझौता निवेशकों को न्यूनतम मानक सुरक्षा और स्वतंत्र मध्यस्थता व्यवस्था उपलब्ध कराएगा जिससे व्यापार और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और इजराइल के वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच ने यहां द्विपक्षीय निवेश समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने वित्तीय-प्रौद्योगिकी नवाचार, अवसंरचना विकास, वित्तीय नियमन और डिजिटल भुगतान कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

सीतारमण ने कहा कि दोनों पक्षों को व्यापारिक संवाद बढ़ाकर निवेश के अवसर तलाशने चाहिए ताकि इस समझौते से अधिकतम लाभ उठाया जा सके।

पाकिस्तान के गुजरांवाला में भारी बारिश के कारण रणजीत सिंह के पिता का स्मारक क्षतिग्रस्त

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के गुजरांवाला में भारी बारिश के कारण महाराजा रणजीत सिंह के पिता सरदार महान सिंह के स्मारक का एक हिस्सा ढह गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इवैक्यूई प्रॉपर्टी ट्रस्ट बोर्ड (ईपीटीबी) के प्रवक्ता गुलाम मोहिउद्दीन ने सोमवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण, लाहौर से लगभग 80 किलोमीटर दूर गुजरांवाला के शेरांवाला बाग में स्थित सरदार महान सिंह की समाधि का एक हिस्सा ढह गया है। सौभाग्य से, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ईटीपीबी पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के पवित्र स्थलों की देखभाल करता है। उन्होंने कहा, सिख समुदाय के एक प्रमुख नेता सरदार महान सिंह को उपमहाद्वीप व सिख विरासत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति माना जाता है। उनकी समाधि का जीर्णोद्धार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असाधारण महत्व रखता है।

मोहिउद्दीन ने कहा कि घटना के बाद ईटीपीबी के अधिकारियों ने एक तकनीकी टीम के साथ घटनास्थल का दौरा किया और इमारत के आसपास सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए।

ज्ञान जितना बांटेंगे, उतना ही बढ़ता चला जाएगा : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत ज्ञानमुनिजी ने कहा कि प्रभु महावीर भगवान ने जो हमें ज्ञान दिया वह कभी नष्ट नहीं होने वाला है। कुछ चीजें देने से बढ़ती हैं। अगर नहीं दिया तो वह अपने आप ही खत्म हो जाएगा। विद्या देने से ज्ञान बढ़ता रहता है। अगर नहीं देंगे तो सीखा हुआ भी मनुष्य भूल जाएगा। श्लोक भले आता हो लेकिन बार बार याद नहीं किया तो उसे भी भूला जा सकता है। प्रभु के ज्ञान के खजाने की महिमा ही अलग है। ज्ञान जितना दोगे उतना ही बढ़ेगा। ज्ञान जितना लुटाओगे उतना ही बढ़ता चला गया। भगवान के अंतिम देशना के चौथे अध्ययन का वाचन करते हुए संतश्री ने कहा कि गलत मार्ग से आया धन गलत मार्ग पर ही चला जाएगा, इसलिए मानव को गलत मार्ग पर जाने से बचना चाहिए। मेहनत और पसीने की कमाई का परिणाम बहुत अच्छा होता है। उससे घर में शांति आती है। रविवार को ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में आचार्यश्री जयमलजी की 318वीं जयंती मनाई गई। ज्ञानमुनिजी ने कहा कि जैन दर्शन और जैन तत्व में तीन तत्व महत्पूर्ण होते हैं। देव, गुरु और दर्शन ये महत्वपूर्ण तत्व है। देव हमारे आराधनीय होते हैं। पीछे धर्म तत्व होता है। इन दोनों के बीच गुरु तत्व होता है। गुरु तत्व बहुत ही महत्वपूर्ण होता हैं। गुरु ही ऐसे होते हैं जो भगवान और सही गलत के बारे में हमें बताते हैं। जो गुरु चरणों में सिर रख देता है उसका जीवन सफल हो जाता है। साधु हो या साध्वी हो, उनका गुणगान करना चाहिए। उनके बारे में जानने का मौका मिलता है। गुरु की अपार महिमा जीवन को तार देने वाली होती है। लोग तीर्थ जाते हैं और उसका फल एक मिलता है। संत के मिलने से उसका फल चार गुणा मिलता है, लेकिन सच्चा संत और संघ मिल जाए तो लाखों पापों की गठरी कट जाती है। मनुष्य की आत्मा निर्मल हो जाती है। अगर सतगुरु मिल गए तो भवों भवों का पाप कट जाता है। जयमलजी बहुत ही प्रतापी थे, प्रभावशाली थे। वे बहुत ही अल्प संसारी थे। जयमल जी की आवाज बहुत बुलंद थी। वह समय सरलता, समझता और गुण ग्रहण का युग था। जयमलजी के जीवन से मनुष्य को तप त्याग के बारे में सीख कर जीवन का उद्धार करना चाहिए। जयमलजी फक्कड़ बाबा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुखराज बोथरा ने की। इस मौके पर शहर के गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। इस मौके पर गौतम प्रसादी के लाभार्थी उत्तमचंद पदमराज रातड़िया परिवार का सम्मान किया गया। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

कर्नाटक सरकार ने अब तक पांच गारंटियों पर 97,813 करोड़ रुपये खर्च किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने अब तक 'पांच गारंटियों' पर 97,813 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। सिद्दरामय्या ने सोमवार को पांच गारंटियों पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बाद में मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा, ''पांच गारंटी योजनाओं के तहत अब तक 97,813 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।'' ये पांच गारंटी योजनाएं हैं 'गृह ज्योति', 'गृह लक्ष्मी', 'अन्न भाग्य', 'युवा निधि' और 'शक्ति' योजना।

'गृह ज्योति' योजना के तहत हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाती है, गृह लक्ष्मी' योजना के तहत परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को 2,000 रुपये दिए जाते हैं और अन्न भाग्य' के तहत बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) परिवार के प्रत्येक सदस्य को हर महीने 10 किलो चावल दिया जाता है। 'युवा निधि' के तहत बेरोजगार स्नातकों को 3,000 रुपये और बेरोजगार डिप्लोमा धारकों को दो साल के लिए 15-15 सौ रुपये (18 से 25 आयु वर्ग के लोगों के लिए) देने का वादा किया गया है और शक्ति' योजना कर्नाटक की महिलाओं को राज्य के भीतर गैर-लक्जरी सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा देती है।

बयान में कहा गया है कि 'गृह लक्ष्मी' योजना के तहत 50,005 करोड़ रुपये, 'गृह ज्योति' योजना के तहत 18,139 करोड़ रुपये, युवा निधि' योजना के तहत 623 करोड़ रुपये, 'शक्ति' योजना के तहत 13,903 करोड़ रुपये और 'अन्न भाग्य' योजना के तहत 11,821.17 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। बयान में कहा गया है कि उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उन लाभार्थियों के नाम सूची से हटा दिए जाएं जिनकी मृत्यु हो चुकी है।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''लाभार्थियों को शामिल करने और हटाने के लिए पंचायत स्तर पर कार्रवाई की जानी चाहिए।'

विजयनगर महिला मंडल द्वारा 'जल संरक्षण अभियान' की शुरुआत कल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं संपूर्णा संस्था के संयुक्त तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा बुधवार को आयोजित होने वाले 'जल संरक्षण-जन जागृति' अभियान के प्रचार के लिए पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। संपूर्णा संस्था की फाउंडर डॉ शोभा विजेंद्र ने बताया कि जल हमारे जीवन के लिए बहुत ही उपयोगी है। जल है तो कल है, ऐसे में उज्ज्वल भविष्य के लिए जल को सुरक्षित रखना बहुत ही आवश्यक है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु कार्यक्रम संपूर्ण भारत में चल रहा है। बेंगलूरु के जल संरक्षण एवं जल निकायों के पुनर्जीवन को बढ़ावा देने हेतु तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। बुधवार को अर्हम भवन में आयोजित जल वार्ता कार्यक्रम में एक विशेष प्रदर्शनी एवं कई विचारोत्तेजक सत्र आयोजित किए जाएंगे। अभातेमम की पूर्व महामंत्री वीणा बैद ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। महिला मंडल की अध्यक्षा महिमा पटावरी ने सभी से इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। पत्रकार वार्ता में अभातेमम कार्यकारिणी सदस्य शशि नाहर, मंडल की मंत्री सरिता छाजेड़, उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया व सुनीता पटावरी, सहमंत्री अनीता जीरावला एवं कोषाध्यक्ष मंजू भंसाली उपस्थिति थीं।

विद्यार्थियों के लिए शिक्षक उनके आदर्श होते हैं : महेन्द्र मुणोत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बीएमएस महिला महाविद्यालय बसवनगुड़ी में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत, महाविद्यालय की प्रमुख गीता एम., प्राचार्य रघुकुमार एवं अन्य शिक्षकों ने डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए शिक्षक उनके आदर्श होते हैं। शिक्षक का व्यक्तित्व श्वेत वस्त्र की तरह बेदाग एवं निर्मल जल की तरफ पवित्र होना चाहिए, एक अच्छा शिक्षक वह होता है, जो जीवन पर्यंत स्वयं को विद्यार्थी समझता है एवं समर्पित होकर ज्ञान की खोज में रहता है।

प्राचार्य रघुकुमार ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से कहा कि अगर आप गुरु को कुछ उपहार देना चाहते हैं तो समर्पित होकर अध्ययन करें, यही गुरु के लिए सबसे बड़ा उपहार है।

विद्यार्थियों ने मनभावन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। उत्तम सेवा देने वाले शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय प्रबंधन ने मुणोत को सम्मानित किया।

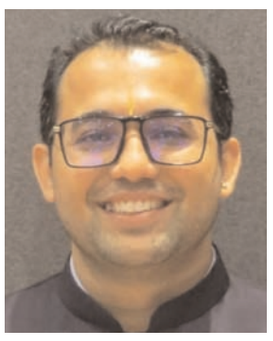

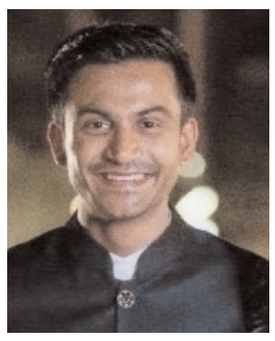

भूतड़ा बने माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष, सोनी बने सचिव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के ओखल्लीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी युवा संघ की 31वीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन सभा के प्रतिनिधि विनीत बियानी एवं चुनाव अधिकारी सुनील सारड़ा की उपस्थिति में हुआ। अध्यक्ष दीपक मंत्री ने स्वागत करते हुए गत कार्यकाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। सचिव कुशल जाजू ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और कोषाध्यक्ष प्रतीक लोहिया ने वित्तीय विवरण साझा किया। वर्ष 2025-27 कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा हुई जिसमें सर्वसम्मति से विवेक भूतड़ा को अध्यक्ष, निखिल सोनी सचिव, आयुषी काबरा एवं चेतन साबू उपाध्यक्ष, पीयूष तोषनीवाल कोषाध्यक्ष तथा हितेश सोनी संयुक्त सचिव पद पर निर्वाचित हुए। इसके अतिरिक्त 16 सदस्य की टीम में आदित्य मालू, आनंद झंवर , अंकुर सारडा , आशीष आगीवाल, अवधेश बाहेती, पूजा मर्दा, ऋचा मारू, यशवर्धन मालू, सहचयनित सदस्य संस्कृति सोमानी को शामिल किया। निवर्तमान अध्यक्ष दीपक मंत्री व मानद सचिव कुशल जाजू शामिल हैं। नवनिर्वाचित सचिव निखिल सोनी व पूजा बजाज ने संचालन किया। हितेश सोनी ने धन्यवाद दिया।

कन्नड़-हिंदी पर्याय कोश निर्माण का कार्य सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहां केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के मैसूर केंद्र पर 3 से 8 सितम्बर तक आयोजित कन्नड़-हिंदी पर्याय कोश निर्माण हेतु छठवीं कार्यशाला का सफल आयोजन संपन्न हुआ। इस छह दिवसीय कार्यशाला में कोश संयोजक प्रो. टी. आर. भट्ट, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ के सानिध्य में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. संजय प्रसाद श्रीवास्तव, भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर एवं प्रो. श्रीधर हेगड़े, हिंदी विभाग, मंगलूरु, विश्वविद्यालय, कर्नाटक ने कार्य किया। इस कार्यशाला के दौरान कोश के अंतर्गत आने वाले टंकित शब्दों की वर्तनी एवं अर्थ की जाँच करके उसे अंतिम रूप दिया गया। जल्द ही इस कोश की मुद्रित प्रति पाठकों के समक्ष प्रस्तुत होगी। कार्यशाला का पूरा व्यय केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा द्वारा किया गया। अतः इसका प्रकाशन भी केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा द्वारा की जाएगी। भारतीय भाषाओं के लिए यह अपने आप में इस प्रकार का पहला कोश है जिसमें कन्नड़-हिंदी की समान शब्दावलियों एवं समान अर्थवाली लोकोक्तियों एवं मुहावरों को समाहित किया गया है। विकसित भारत में हिंदी को प्रांतीय भाषाओं, बोलियों के साथ जोड़ने में यह कोश सहायक सिद्ध होगा। कार्यशाला आयोजन संबंधी कार्य केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रणजीत भारती, डॉ. योगेंद्र मिश्र, एसोसिएट प्रोफेसर एवं केंद्र के कर्मियों द्वारा किया गया।

चण्डावलनगर में दिसम्बर माह में आयोजित होगा स्नेह मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक ट्रस्ट व संघ चण्डावलनगर पाली की साधारण सभा एक होटल में आयोजित हुई जिसमें चण्डावलनगर में 27 व 28 दिसम्बर को स्नेह मिलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया तथा चण्डावल में महावीर भवन के नवीनीकरण का निर्णय लिया गया। सभी उपस्थित सदस्यों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में नए ट्रस्टी बनाए गए। अध्यक्ष सज्जनराज बाफना ने सभी का स्वागत किया। मंत्री भंवरलाल गादिया ने संचालन किया। कोषाध्यक्ष हस्तीमल बाफना ने सभी को धन्यवाद दिया।

'एक शाम श्री टाडगढ़ भेरूजी के नाम' भजन संध्या आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय मेवाड़ जैन मित्र मंडल द्वारा रविवार को आयोजित 'एक शाम श्री टाडगढ़ भेरूजी के नाम' काला गोरा भैरव पावन धाम टाडगढ़ के मुख्य उपासक विद्याप्रकाश पडियार एवं कपिल पडियार के सान्निध्य में पैलेस ग्राउंड ग्रैंड कैसल सभागार में भैरव भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रभु का विशेष दरबार सजाया गया एवं देव प्रतिमाओं का विशेष श्रृंगार किया गया ।मंडल के गौतम मांडोत ने सभी का स्वागत किया। इस आयोजन में संगीतकार महावीर सांखला एंड पार्टी एवं गायिका त्रिशा सुथार ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर मुख्य प्रायोजक वैष्णोदेवी ग्रुप ऑफ़ कंपनीज के विमल कटारिया का सम्मान किया गया। मंडल के प्रवीण दक ने अतिथियों का सम्मान किया। इस मौके पर अनेक सदस्य उपस्थित थे।

'वॉइस ऑफ़ तेरापंथ-बेंगलूरु' के सेमीफाइनल में गूंजे श्रद्धा के स्वर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । आचार्यश्री भिक्षु की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के अंतर्गत तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में गतिमान 'वॉइस ऑफ तेरापंथ' के सेमीफाइनल का प्रथम चरण का आयोजन सभा भवन में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी एवं आदित्य कुमारजी के सन्निध्य में हुआ। इस प्रतियोगिता में बेंगलूरु स्तरीय प्रतियोगिता के प्रथम चरण के चयनित 42 प्रतिभागियों में से 21 ने सेमीफाइनल राउंड-एक में आचार्य भिक्षु एवं आचार्य तुलसी पर आधारित गीतों की प्रस्तुति दी, जिनमें से हर्ष पगारिया, मनीषा भंसाली, निकिता बरड़िया, नूतन बेंगानी, प्रज्ञा दुधेड़िया एवं दिशा एन. का चयन फाइनल राउंड के लिए किया गया। मुनिश्री ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। आदित्य कुमारजी ने आराध्य भिक्षु के प्रति श्रद्धा अर्पण की। सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सभी का स्वागत किया। गायक मनीष पगारिया एवं प्रज्ञा संगीत सुधा के सदस्यों ने भी अपनी प्रस्तुति दी। इस आयोजन के प्रभारी नवनीत मुथा ने कार्यक्रम की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन रोहित कोठारी ने किया। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने धन्यवाद दिया।

कुमारस्वामी ने कलबुर्गी में किसान के साथ बातचीत को लेकर खरगे की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कलबुर्गी में एक परेशान किसान से बातचीत का कथित वीडियो सामने आने के बाद, उनके बर्ताव को लेकर सोमवार को निशाना साधा और उनके आचरण को ''अहंकारी'' तथा अनुचित करार दिया। सोशल मीडिया पर सार्वजनिक हुए वीडियो क्लिप में खरगे की एक किसान के साथ बातचीत दिखाई गई है, जिसकी फसलें क्षेत्र में हाल ही में आई बाढ़ से नष्ट हो गई थीं।

वीडियो में खरगे किसान से पूछते नजर आते हैं, तुमने कितने एकड़ में फसल बोई?'' इस पर किसान जवाब देता है, ''चार एकड़'' तो खरगे कहते हैं, ''मेरी 40 एकड़ है। मेरा तुमसे से भी बुरा हाल है। तुम आकर बता रहे हो। तुम मुझे बता सकते हो, लेकिन मेरा तो तुमसे भी बुरा हाल है।'' वीडियो में खरगे कहते हैं, यहां प्रचार के लिए मत आओ। मुझे पता है। मूंग, उड़द और अरहर सब बर्बाद हो गए हैं। तुम कम से कम बने तो रह सकते हो। हम नहीं रह सकते क्योंकि मेरा नुकसान बहुत ज़्यादा है। '

खरीददारी, पारिवारिक नेटवर्किंग व अनुभव साझा करने के साथ सम्पन्न हुई प्रदर्शनी

'जीतो ज़ेवर एक्सपो व दि ब्राइडल स्टोरी' प्रदर्शनी सम्पन्न

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) नॉर्थ चैप्टर, जीतो अपेक्स महिला विंग एवं जीतो केकेजी ज़ोन के संयुक्त तत्वावधान में त्रिपुरा वासिनी सभागार में 'जीतो जेवर एक्सपो एवं दि ब्राइडल स्टोरी' का समापन रविवार को हुआ। प्रदर्शनी में हीरा, सोना, कुंदन, रत्न, पोलकी व चांदी के नवीनतम ज़ेवर एवं अन्य उत्पाद, वैडिंग आउटफिट्स, डिजायनर लहंगे, साड़ियाँ, शेरवानी, इंडो वेस्टर्न परिधान, डेकोरेशन, फोटोग्राफी, इवेंट मैनेजमेंट, आमंत्रण पत्र, ब्यूटी उत्पाद, मेकअप आदि उत्पादों व सेवाओं ने ग्राहकों को खूब आकर्षिक किया। जीतो नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने सभी प्रायोजकों, जीतो अपेक्स, केकेजी जोन,बेंगलूरु चैप्टर को धन्यवाद दिया । संयोजक सुरेश गन्ना, सह संयोजक प्रवीण दक व संजीव गन्ना ने सफल आयोजन का श्रेय पूरी टीम को दिया। नार्थ की महिला विंग अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़, दि ब्राइडल स्टोरी संयोजक सुमन सिंघवी, सह संयोजक बिंदु नाहर ने कहा कि प्रदर्शनी की सफलता नारी शक्ति के व्यापारिक एवं सामाजिक कौशल की क्षमता का प्रदर्शन भी है। इसके अलावा अन्य कमेटी के सदस्यों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया।

धर्मस्थल मामले में मौके पर निरीक्षण के दौरान मानव कंकाल के अवशेष मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। धर्मस्थल में कई बलात्कार, हत्याओं और दफनाने के कथित मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने छह सितंबर को बंगाले गुड्डे में एक स्थल के निरीक्षण के दौरान मानव कंकाल के अवशेष बरामद किए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 17 वर्षीय पीड़िता के रिश्तेदारों की मौजूदगी में यह अवशेष बरामद किए गए। छात्रा से कथित तौर पर नौ अक्टूबर, 2012 को बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई थी। यह मामला एक दशक से भी ज़्यादा समय बाद भी अनसुलझा है।केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच और उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बावजूद असली अपराधियों की पहचान कभी नहीं हो पाई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि छात्रा के रिश्तेदार ने कार्यकर्ता गिरीश मत्तनवर के निर्देश पर घटनास्थल से एक मानव खोपड़ी खोदकर निकाली। गिरीश ने पूर्व में शिकायतकर्ता सी एन चिन्नैया से जानकारी हासिल की थी, जिनकी शिकायत के आधार पर एसआईटी का गठन किया गया था। एसआईटी ने बाद में पुष्टि की कि इस कवायद के दौरान कम से कम दो कंकाल बरामद हुए।

पुलिस के एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया, बंगाले गुड्डे में घटनास्थल के निरीक्षण के दौरान, एसआईटी को कम से कम दो लोगों के कंकाल मिले। यह जांच टीम के लिए एक चौंकाने वाली बात है। अधिकारियों को अंदेशा है कि इस वीरान जगह पर और भी शव दफन हो सकते हैं। बरामद हड्डियों को विश्लेषण के लिए फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) भेज दिया गया है। जांच अधिकारी यह पता लगा रहे हैं कि चिन्नैया ने घटनास्थल की जानकारी होने के बावजूद पूर्व में इसकी जानकारी क्यों नहीं दी।

पुलिस ने बताया कि छात्रा के रिश्तेदार ने मत्तनवर के निर्देश पर काम किया और शव को बाहर निकालने की पूरी प्रक्रिया का वीडियो बनाया। मत्तनवर को हिरासत में नहीं लिया गया है, लेकिन उनसे आगे पूछताछ की संभावना है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हम इस बात की जांच करेंगे कि व्यक्ति को इस स्थान के बारे में कैसे पता चला और इसे इतने लंबे समय तक क्यों छिपाया गया। उन्होंने कहा, मृतक की पहचान और मृत्यु की परिस्थितियों को स्थापित करने के संबंध में एफएसएल रिपोर्ट महत्वपूर्ण होगी। इस क्षेत्र में शवों को दफनाए जाने के मामले पर कड़ी नज़र रखी जा रही है, और नवीनतम निष्कर्षों के बाद एसआईटी द्वारा अपनी जांच का दायरा बढ़ाने की संभावना है। जांचकर्ताओं को केरल और तमिलनाडु तक भी सुराग मिले हैं। केरल के एक यूट्यूबर मनाफ को सोमवार को एसआईटी के सामने पेश होने के लिए तलब किया गया है। एक शिकायतकर्ता, जिसकी बाद में पहचान सी एन चिन्नैया के रूप में हुई और जिसे झूठी गवाही के आरोप में गिरफ्तार किया गया, ने धर्मस्थल में कुछ समय के दौरान कई शवों को दफनाने का दावा किया, जिनमें यौन उत्पीड़न के निशान वाली महिलाओं के शव भी शामिल थे। इस मामले में स्थानीय मंदिर के प्रशासकों की संलिप्तता के दावे के बाद विवाद खड़ा हो गया।

गणेश शोभायात्रा के दौरान झड़पों के बाद मद्दुर में स्थिति नियंत्रण में है : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि सात सितंबर को गणेश विसर्जन के लिए निकाले गए जुलूस के दौरान हुई सांप्रदायिक झड़पों के बाद मद्दुर शहर में स्थिति नियंत्रण में है। शहर में तनाव बढ़ने पर निषेधाज्ञा लागू कर दी गई और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया। रविवार को राम रहीम नगर में गणेश विसर्जन की शोभायात्रा पर पथराव के बाद झड़पें शुरू हो गई थीं।

पुलिस के अनुसार, मस्जिद से लगभग 500 मीटर की दूरी पर शोभायात्रा पर पथराव किया गया, जिसके बाद उसमें शामिल लोगों ने जवाबी कार्रवाई की। पुलिस ने आपस में भिड़ रहे दो समूहों को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया। बाद में हिंदू कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम' के नारे लगाए, टायर जलाए और भगवा झंडे लहराते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

मंड्या के पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी ने बताया कि दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, एक स्वतः संज्ञान लेकर और दूसरी एक घायल व्यक्ति की शिकायत पर। उन्होंने बताया कि 21 लोगों को हिरासत में लिया गया है तथा आगे और गिरफ्तारियां होंगी। एसपी ने कहा, सभी घायलों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। एक व्यक्ति को चार टांके लगे हैं, बाकी सभी को मामूली चोटें आई हैं। आगे किसी भी प्रकार की हिंसा को रोकने के लिए इलाके में धारा 144 लागू कर दी गई है।

शनिवार रात गणेश विसर्जन के लिए निकाले गए जुलूस के दौरान कथित तौर पर उपद्रवियों द्वारा पथराव किए जाने के बाद हुबली में भी तनाव फैल गया था। पुलिस ने स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए हस्तक्षेप किया, जबकि शहर के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किया गया। मद्दुर में केएसआरपी की टुकड़ियां तैनात कर दी गई हैं तथा वरिष्ठ अधिकारी शांति सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं, जबकि मद्दुर, हुबली और शिवमोग्गा में हुई घटनाओं के मद्देनजर सभी जिलों की पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है।

परमेश्वर ने बेंगलूरु में संवाददाताओं को बताया कि मद्दुर घटना के सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा, मद्दुर की स्थिति के संबंध में सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अब कोई समस्या नहीं है। कुछ छोटी-मोटी घटनाएं हुई हैं। एक जगह झंडा लाने पर चाकू मारने की कोशिश की गई। एक अन्य जगह पर गणपति शोभायात्रा के दौरान लोगों ने बच्चों पर छत से थूका। इस तरह की घटनाएं हुई हैं। सब कुछ नियंत्रण में है।

राज्य के गृह मंत्री ने दोनों समुदायों के लोगों से शांति बनाए रखने के लिए सहयोग करने का आग्रह किया और कहा कि पुलिस ने पर्याप्त कदम उठाए हैं। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में हिंदू त्योहार और शोभायात्रा अब सुरक्षित नहीं रही।

विजयेंद्र ने कहा, गणेश विसर्जन शोभायात्रा के दौरान कट्टरपंथी उपद्रवी गिरोह बनाकर पथराव कर रहे हैं। मांड्या, धारवाड़, बागलकोट और हुबली समेत राज्य के कई हिस्सों से ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। कल मद्दुर में उपद्रवियों ने लगातार पथराव कर तनावपूर्ण माहौल बना दिया। इस पथराव में महिलाएं और पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जो बेहद चिंताजनक है और भाजपा इसकी कड़ी निंदा करती है।'' विजयेंद्र ने कहा कि शिवमोग्गा ज़िले के सागर से भी गणपति की मूर्ति को अपवित्र किए जाने की खबरें आई हैं। शिकारपुरा से विधायक विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि अल्पसंख्यकों के नाम पर इस तरह की घिनौनी हरकतों से, खासकर हिंदू महिलाओं में डर पैदा हो गया है।

मद्दूर के उपद्रवियों को गिरफ्तार करे सरकार : रवि कुमार

बेंगलूरु। विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रवि कुमार ने सोमवार को मद्दूर में गणेश जुलूस पर पथराव करने वाले उपद्रवियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। यहाँ जारी एक बयान में, रवि कुमार ने जिला प्रशासन पर भेदभाव करने का आरोप लगाया क्योंकि असली दोषियों को बिना किसी सजा के छोड़ दिया गया है। रवि कुमार ने कहा, मद्दूर में गणेश जुलूस पर किया गया हमला पूर्व नियोजित था। टीवी मीडिया जुलूस पर पाँच किलो पत्थर फेंके जाने का दिखावा कर रहा है। उन्होंने राज्य सरकार पर विशेष वर्ग के उपद्रवियों की गुंडागर्दी के प्रति नरम रुख अपनाने और हिंदुओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

सरकार बहुलवादी संस्कृति के प्रति स्पष्ट रूप से प्रतिबद्ध है : सिद्दरामय्या

'दया के बिना धर्म क्या है - दया ही धर्म का मूल है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हमारी सरकार बहुलवादी संस्कृति के प्रति प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि हमारी सरकार सभी जातियों और धर्मों के गरीबों के लिए कार्यक्रम बनाकर और उन्हें लागू करके समाज में असमानता को दूर करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। उन्होंने शिवाजीनगर में सेंट मैरी बेसिलिका चर्च द्वारा आयोजित संत मैरी मदर के उत्सव में सभी को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने बसवन्ना के शब्दों को याद किया कि दया के बिना कोई धर्म नहीं है - दया ही धर्म का मूल है, और धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक न्याय भी हमारे संविधान की आकांक्षाएँ हैं। गांधी और अंबेडकर ने भी उन्हीं मूल्यों की बात की थी जिनकी बात बसवन्ना ने की थी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इन मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध है और सभी को समान सुरक्षा प्रदान करेगी। उन्होंने महाधर्माध्यासिन पीटर मचाडो द्वारा रखी गई मांगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने का आश्वासन दिया। पीटर मचाडो की दिव्य उपस्थिति में विधायक रिजवान अरशद की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री के.जे. जॉर्ज और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद उपस्थित थे।

टीवीएस मोटर कंपनी ने टीवीएस एनटॉर्क 150 लॉन्च किया

'भारत का सबसे तेज़ और पहला हाइपर स्पोर्ट स्कूटर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। टीवीएस मोटर कंपनी (टीवीएसएम) ने भारत के सबसे तेज हाइपर स्पोर्ट स्कूटर टीवीएस एनटॉर्क 150 को लॉन्च किया है। 149.7 सीसी रेस-ट्यून्ड इंजन द्वारा संचालित और स्टील्थ एयरक्राफ्ट डिजाइन से प्रेरित यह स्कूटर उच्च प्रदर्शन, स्पोर्टियर एस्थेटिक्स और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का मिश्रण है। इसकी कीमत 119,000 रुपए (एक्स-शोरूम) है।

कंपनी ने बताया कि टीवीएस एनटॉर्क स्टोरी पर आधारित यह नया स्कूटर भविष्य का एक और प्रतीक होगा। इसके मल्टीपॉइंट प्रोजेक्टर हेडलैम्प, एयरोडायनामिक विंगलेट्स, कलर्ड एलॉय व्हील्स और सिग्नेचर मफलर नोट रेसिंग डीएनए को उजागर करते हैं, जबकि एलेक्सा और स्मार्टवॉच इंटीग्रेशन, लाइव ट्रैकिंग, नेविगेशन और ओटीए अपडेट सहित 50 से ज्यादा स्मार्ट फीचर्स वाला हाई-रेज टीएफटी क्लस्टर इसे अपनी श्रेणी में सबसे उन्नत स्कूटर बनाता है।

इस अवसर पर टीवीएस मोटर कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष - हैड कम्यूटर एंड ईवी बिजनेस और कॉर्पोरेट ब्रांड प्रमुख अनिरुद्ध हलदर ने कहा, 'दो मिलियन से ज्यादा एनटॉर्किअंस और 50 सेल्फ-मैनेज्ड राइड ग्रुप और कम्युनिटीज, भारत के सबसे पसंदीदा और प्रतिष्ठित ऑटोमोटिव ब्रांड्स में से एक और उसके राइडर्स के बीच बने रिश्ते को परिभाषित

करते हैं।' उन्होंने कहा, 'टीवीएस एनटॉर्क आकर्षक डिजाइन, बेहतर प्रदर्शन और नए युग की तकनीक का पर्याय बन गया है। ऑल न्यू टीवीएस एनटॉर्क 150 की पेशकश, जेन जेड की उभरती हुई हाई परफॉर्मेंस आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई है। टीवीएस एनटॉर्क 150, भारत का पहला हाइपर स्पोर्ट स्कूटर है, जो अपने हाइपर फ्यूचरिस्टिक डिज़ाइन, हाइपर ट्यून्ड परफॉर्मेंस और हाइपर कनेक्टेड तकनीक के साथ अपने राइडर्स को रोमांचित करेगा। साथ ही, टीवीएस एनटॉर्क ब्रांड फ्रैंचाइज़ी को उल्लेखनीय रूप से मजबूत करेगा।'

टीवीएस एनटॉर्क 150 में 149.7 सीसी, एयर-कूल्ड, ओ3सीटेक इंजन है, जो 7,000 आरपीएम पर 13.2 पीएस और 5,500 आरपीएम पर 14.2 एनएम टॉर्क देता है। यह 0-60 किमी/घंटा की रफ़्तार सिर्फ़ 6.3 सेकंड में पकड़ लेता है और 104 किमी/घंटा की अधिकतम गति तक पहुंच जाता है।

कर्नाटक मीडिया अकादमी ने पत्रकारों के प्रशिक्षण के लिए इंफोसिस से साझेदारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मीडिया अकादमी ने सोमवार को अपने प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम स्प्रिंगबोर्ड के तहत पत्रकारों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इंफोसिस के साथ एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। एक बयान में कहा गया है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की उपस्थिति में हुई इस साझेदारी का उद्देश्य पत्रकारों को 'सॉफ्ट स्किल' और डिजिटल मीडिया प्रशिक्षण प्रदान करना है। बयान के अनुसार अकादमी के सीएसआर कार्यक्रम के तहत यह आरंभिक पहल है। इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड पहल के माध्यम से मीडिया पेशेवरों को डिजिटल शिक्षा दी जाएगी और उनके कौशल विकास व क्षमता विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

कर्नाटक मीडिया अकादमी की अध्यक्ष आयशा खानम ने कहा, इंफोसिस स्प्रिंगबोर्ड और मीडिया अकादमी के बीच यह साझेदारी नए मीडिया के साथ तालमेल बिठाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। हमें विश्वास है कि यह मंच पत्रकारों के कौशल विकास में अहम भूमिका निभाएगा। इससे उन्हें आज के तेजी से विकसित होते मीडिया परिदृश्य में आवश्यक तकनीकी विशेषज्ञता हासिल होगी। इन्फोसिस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और ईटीए के प्रमुख सतीश बी. नंजप्पा ने कहा, इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड शिक्षा पर केंद्रित एक कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम है। यह विशेष रूप से दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में पत्रकारों के लिए उपयोगी होगा।

छेड़छाड़ के मामले में सात वर्षों से फरार आरोपी गिरफ्तार

सुल्या। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले की पुलिस ने महिला से छेड़छाड़ और उसे अपमानित करने के मामले में सात वर्षों से फरार एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। यह जानकारी एक पुलिस विज्ञप्ति में सोमवार को दी गई। विज्ञप्ति में बताया गया कि आरोपी रवींद्र बी. एन. (40) के खिलाफ सुल्या पुलिस थाने में 2018 में भारतीय दंड संहिता की धारा 504 और धारा 354(ए) (यौन उत्पीड़न/छेड़छाड़) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद से वह फरार था और अदालत में पेश नहीं हो रहा था। विज्ञप्ति के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शनिवार को आरोपी को चित्रदुर्ग जिले के हिरियूर तालुक के वेदावती नगर से गिरफ्तार किया और उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया।

भाजपा शांति बिगाड़ने में माहिर है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मद्दूर में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को पार्टी पर शांति भंग करने में माहिर होने का आरोप लगाया। रविवार को गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई सांप्रदायिक झड़पों के बाद मंड्या जिले के मद्दूर में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। विभिन्न हिंदूवादी संगठनों द्वारा कस्बे में प्रदर्शन किए जाने से स्थिति और बिगड़ गई। सिद्दरामय्या ने यहां पत्रकारों से कहा कि किसी को भी अपनी पार्टी का आधार मजबूत करने के लिए सांप्रदायिक मुद्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह किसी राजनीतिक दल का काम नहीं है। भाजपा के इस आरोप पर कि हिंदुओं को अपने त्योहार मनाने की अनुमति नहीं है, मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर कोई शांति भंग करता है, तो वह भाजपा ही है। भाजपा भड़काने और शांति भंग करने में माहिर है।'' उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार शांति भंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। सांप्रदायिक झड़प की परिस्थितियों को लेकर सिद्दरामय्या ने कहा कि हंगामा उस समय हुआ जब विसर्जन के लिए लोगों की यात्रा मस्जिद के पास से गुजर रही थी और पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज भी किया। जब पुलिस ने गणेश उत्सव के आयोजकों को एक विशेष स्थान छोड़ने के लिए कहा तो उन्होंने पुलिस की बात नहीं मानी। उन्होंने कहा, ''उन्होंने समूह बनाया और हंगामा किया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं: 01/Bridges/UBL 2025-26 दिनांक: 01.09.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
हुबली विभाग: एसएसई/	रु. 2,91,70,047/-

ब्रिज/हुबली क्षेत्राधिकार पर 2 वर्ष की अवधि के लिए गिर्डर पुलों पर विशेष मरम्मत कार्य।
निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 29.09.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/समन्वय
PUB/432/AAF/PRB/SWR/2025-26 हुबली
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं. एचई-टीआरडी-2025-26 -ओटी-07-1 दिनांक: 02.09.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
आरडीएसओ विशिष्टता	रू. 95,33,184/-

सं. I/SPC/RCC/SCADA/0133 के अनुरूप बेल्लारी-हॉस्पेट सिनेर्जी मेक रिमोट टर्मिनल यूनिटों हेतु 4 वर्ष के लिए सकाडा सिस्टम का संपूर्ण वार्षिक रखरखाव।
निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 30.09.2025 को 13.00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मण्डलीय विद्युत अभियंता/टीआरडी, हुबली
PUB/444/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | @SWRAILWAYHQ | @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: CAO/CN/BNC/138/2025 दिनांक: 03.09.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बागलकोट-कुडची नई बीजी	रु. 37,48,63,558/-

लाईन परियोजना: केरकलमट्टी स्टेशन पर स्टेशन बिल्डिंग, टीएम विश्राम गृह, लेवर और मर्चंट रूम्स, प्लॉटफार्मों, एफओबी, पीएफ शेल्टर, ड्रैनेज का निर्माण, छोटे पुलों का विस्तार और आरयूबी, तीन लूप लाईनों का लेइंग और लिंकिंग और अन्य विभिन्न कार्यों औल इसके साथ इलेक्ट्रिकल कार्यों का प्रावधान। (संयुक्त निविदा).
(निविदा संदर्भ सं.: BGK-KUD-48)
निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 25.09.2025, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/कार्य बेंगलूरु छावनी
PUB/436/AAF/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

भाजपा नेता अशोक ने मद्दुर सांप्रदायिक हिंसा पर सिद्दरामय्या से माफी मांगने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने सोमवार को मांग की कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या गणेश विसर्जन के जुलूस के दौरान मद्दुर शहर में हुई सांप्रदायिक हिंसा के लिए राज्य के लोगों से माफी मांगें। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की तुष्टिकरण की राजनीति ने उपद्रवियों को बढ़ावा दिया है और एक ''विचित्र स्थिति'' पैदा कर दी है, जहां हिंदुओं के साथ ''दोयम दर्जे के नागरिक'' जैसा व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने मांग की, ''मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को देवी चामुंडेश्वरी, धर्मस्थल और अब मद्दुर की घटना के अपमान के लिए माफी मांगनी चाहिए।'' अशोक ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा कि सात सितंबर को मद्दुर में गणेश शोभायात्रा पर पथराव कोई अचानक हुई घटना नहीं थी, बल्कि एक बड़ी योजना थी।

उन्होंने आरोप लगाया, यह एक जघन्य कृत्य है। लोग असमंजस की स्थिति में हैं कि यह कर्नाटक है या पाकिस्तान।

यह पिछले दो सालों से चल रहा है। धर्मस्थल और चामुंडेश्वरी मंदिर के बाद अब मद्दुर कस्बे की बारी है। अशोक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने अतीत में ''पाकिस्तान जिंदाबाद'' के नारे लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहकर एक मिसाल कायम की है। भाजपा नेता ने पुलिस पर भी निशाना साधा और उस पर ''पक्षपातपूर्ण'' होने का आरोप लगाया।

अशोक ने आरोप लगाया, ''आज सवाल यह है कि हिंदुओं को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? सिर्फ़ हिंदुओं पर ही लाठियां क्यों बरसाई जा रही हैं? क्या पुलिस थाने सिर्फ हिंदुओं के लिए हैं? आप गणेश शोभायात्रा के लिए सैकड़ों शर्तें रखते हैं। हमें शोभायात्रा निकालने की इजाज़त नहीं है। नागमंगला में हनुमान ध्वज को ज़बरदस्ती हटा दिया गया। उसी नागमंगला में आप गणेश जी को उठाकर पुलिस थाने में रख देते हैं। अगर आप उनसे सवाल करते हैं, तो वे कहते हैं कि उपद्रव के पीछे हिंदू हैं।''

उन्होंने कहा, ''अगर हम हिंदू आज एकजुट नहीं हुए, तो यही हमारा हश्र होगा। मैं लोगों से कह रहा हूं कि सिद्दरामय्या वोटों के लिए, अपनी कुर्सी बचाने के लिए और सत्ता में बने रहने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। सत्ता के लिए, वे (कांग्रेस) जातियों के बीच दरार पैदा कर सकते हैं।''

रेपका में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां यलहंका स्थित रेल पहिया कारखाना (रेपका) में 8 सितम्बर को रेपका के महाप्रबंधक चन्द्र वीर रमण की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी विभागाध्यक्षों ने भाग लिया। मुख्य राजभाषा अधिकारी व प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर आनंद स्वरूप ने महाप्रबंधक एवं सभी विभागाध्यक्षों का स्वागत किया तथा उन्होंने अपने संबोधन में राजभाषा के विकास के लिए हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने का सुझाव दिया। बैठक में विभागवार राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने रेल पहिया कारखाना में हिंदी के प्रयोग-प्रसार की सराहना की और दैनिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग को और बढ़ाने का सुझाव दिया। राजभाषा अधिकारी एस सविता द्वारा बैठक का संचालन किया गया।

राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन

रेल पहिया कारखाना में हिंदी सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इस उपलक्ष्य में राजभाषा प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें सभी विभागों में हिंदी में हो रहे काम को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक चन्द्र वीर रमण, महाप्रबंधक/रेपका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

कर्नाटक भाजपा का प्रतिनिधिमंडल अमित शाह से मुलाकात करेगा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार रात नयी दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेगा। पार्टी की राज्य इकाई ने यह जानकारी दी। भाजपा की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, प्रतिनिधिमंडल 'धर्मस्थल' नामक स्थान से जुड़े मुद्दे पर अमित शाह को एक रिपोर्ट सौंपेगा। हम कोप्पल घटना और हिंदुओं पर हमलों के अन्य मामलों पर भी चर्चा करेंगे।

'धर्मस्थल' विवाद तब शुरू हुआ जब एक पूर्व सफाई कर्मचारी ने आरोप लगाया कि जब वह सेवा में था, तो उसे कुछ समय के लिए कई शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया, जिनमें महिलाओं के शव भी शामिल थे और इनमें से कुछ शवों पर यौन हिंसा के निशान थे। इन आरोपों की जांच के लिए राज्य सरकार ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। एसआईटी ने शिकायतकर्ता-गवाह द्वारा चिह्नित कई स्थानों पर नेत्रवती नदी के किनारे खुदाई की ताकि यह पता लगाया जा सके कि वहा कंकाल के अवशेष हैं या नहीं। दो स्थानों पर उन्हें कंकाल के अवशेष मिले।

सफाई कर्मचारी, जिसकी पहचान पहले उजागर नहीं की गई थी, को बाद में झूठी गवाही देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया और उसकी पहचान सी एन चिन्नैया के रूप में हुई है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि यह धर्मस्थल' नामक क्षेत्र को बदनाम करने की साजिश थी। भाजपा ने इसे मंदिर को बदनाम करने की साजिश करार दिया और विरोध प्रदर्शन किया। कोप्पल में तीन अगस्त को 27 वर्षीय युवा नेता गाविसिद्दप्पा नायक की हत्या कर दी गई थी। भाजपा ने इस घटना की सीबीआई जांच कराने की मांग की है।

बयान में कहा गया है कि शाह से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष चलवाडी नारायणस्वामी, विधायक हरीश पूंजा और मंगलूरु क्षेत्र के भाजपा विधायक शामिल होंगे।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:
ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं. 27 UBL 2025-26, दिनांक: 03.09.2025

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	हुबली विभाग: हुबली, रेलवे अधिकारियों का क्लब में प्रस्तावित रीक्रियेशन सुविधा का प्रावधान।	रु. 1,60,61,076/-
	निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 18.09.2025, 11:00 बजे तक	
	ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं. 28 UBL 2025-26, दिनांक: 03.09.2025	
1	हुबली विभाग: वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/पूर्व क्षेत्राधिकार पर बन्निहट्टी (बीएनएचटी) यार्ड में सेस बॉलास्ट का आपूर्ती।	रु. 1,15,12,800/-
2	हुबली विभाग: हुबली - गदग विभाग में हेबसूर यार्ड पर 3 मी. चौड़ाई फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का प्रस्तावित निर्माण कार्य।	रु. 1,92,60,442/-
	निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 30.09.2025, 11:00 बजे तक	

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय हुबली
PUB/442/AAF/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

बौद्धिक दिव्यांग गृह आवासनी मृतका का नियमानुसार किया गया दाह संस्कार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि जामडोली स्थित राजकीय बौद्धिक दिव्यांग गृह में पिछले दिनों मृतक आवासनी का अंतिम संस्कार पुलिस विभाग के नियमों के अनुसार किया गया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि 6 अगस्त, 2016 को सीमा द्वितीय आवासनी को बौद्धिक दिव्यांग गृह (बालिका विंग) जामडोली जयपुर में प्रवेश दिया गया। 26 मार्च, 2025 को इस आवासनी की तबीयत खराब होने पर सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इलाज के दौरान 29 अप्रेल 2025 को रात्रि 10:30 बजे मृत्यु हो पर जाने के कारण सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर उक्त आवासनी के माता-पिता के अज्ञात होने के कारण

नियमानुसार कार्यवाही के लिए जामडोली थाने को 30 अप्रेल 2025 को सूचित किया गया। आवश्यक कार्यवाही उपरान्त आवासनी के शव का 5 मई, 2025 को पोस्टमार्टम पश्चात पुलिस द्वारा सुपुर्दगी करते ही उसी दिन 5 मई को दाह संस्कार की कार्यवाही की गयी। गहलोत ने कहा कि जयपुर के जामडोली स्थित राजकीय बौद्धिक दिव्यांग गृह में मानसिक रूप से विमंदित बच्चों को रखा जाता है। इन बच्चों की प्रतिरोधात्मक क्षमता कम होती है और शारीरिक रूप से कमजोर होते हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग के द्वारा 27 सितंबर 2021 को जारी सर्कुलर के नियमों के अनुसार ही आवासनी का दाह संस्कार किया गया। उन्होंने बताया कि मृतका की मृत्यु अस्पताल रिपोर्ट के अनुसार डेुशी ठशीळीरींरी ढीरलीं खपषशलींळेप (झपर्शीपळर) के कारण हुई। इससे पहले विधायक रफीक खान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में सामाजिक न्याय मंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग के सर्कुलर के अनुसार मृतक का शव स्थानीय चिकित्सालय में कम से कम 72 घंटे सुरक्षित रखा जाए, जिससे उसके परिजनों के तलाश करने उसकी पहचान स्थापित करने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि इस संबंध में दाह संस्कार में हुई देरी के लिए तत्कालीन अधीक्षक को भी निलम्बित कर दिया गया है।

गहलोत ने आगरा रोड पर जामडोली स्थित राजकीय बौद्धिक दिव्यांग गृह (बालक एवं बालिका विंग) में विगत दो वर्ष में आवासियों की हुई मृत्यु की सूची भी सदन के पटल पर रखते हुए कहा कि वर्ष 2020 से 2023 तक कुल 15 आवासियों की मृत्यु हुई थी।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राज्यपाल की उनसे यह शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान बागडे ने उन्हें एक वर्ष के अपने कार्यकाल के आलोक में प्रकाशित अभ्युदय की ओर पुस्तक की प्रति भेंट की। राष्ट्रपति ने पुस्तक का अवलोकन किया। उन्होंने इसे महत्वपूर्ण बताया। राज्यपाल ने इस दौरान राष्ट्रपति से राज्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी संवाद किया।

राजस्थान विधानसभा में हंगामा, बुलाए मार्शल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में विपक्ष कांग्रेस विधायकों के सोमवार को कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर जोरदार हंगामें के साथ आसन की तरफ बढ़ने पर मार्शल बुलाने पड़े और सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। सदन में शून्यकाल में स्थगन प्रस्ताव पर विधायक अपनी बात रख रहे थे इस दौरान कांग्रेस के सदस्य प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर अपनी जगहों पर खड़े हो गए और वेल में आकर नारेबाजी करने लगे जिससे सदन में शोरगुल हुआ। विपक्षी सदस्यों के राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी एवं हंगामें और शोरगुल के बीच सदन की कार्यवाही चलती रही। इस दौरान कांग्रेस के कुछ सदस्य नियम 295 के तहत अपनी बात नहीं रख पाये और वह हंगामा करते रहे। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हंगामा कर रहे सदस्यों को अपनी जगह पर बैठने का आग्रह किया लेकिन वे नहीं माने।

बाद में बारह बजकर 51 मिनट पर कांग्रेस के सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन की तरफ बढ़ने लगे। इस पर देवनानी ने मार्शल बुला लिए और उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया।

इस दौरान कांग्रेस की विधायक रीटा चौधरी आगे आई और आसन की तरफ बढ़ने का प्रयास किया लेकिन महिला मार्शलों ने उन्हें भी रोक दिया। इस दौरान हंगामा जारी रहा और बाद देवनानी ने 12 बजकर 54 मिनट पर सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी।ॉ नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सदन में कानून-व्यवस्था पर चर्चा की मांग की। इस पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि विषय को कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में लिया जा सकता है, लेकिन कांग्रेस के विधायक लगातार नारेबाजी करते रहे। सदन में जामडोली के मानसिक दिव्यांग गृह में हुई मौतों का मामला भी गूंजा। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक रफीक खान ने आरोप लगाया कि मृतको का अंतिम संस्कार छह दिन तक नहीं किया जा सका।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने जवाब दिया कि अंतिम संस्कार में देरी इसलिए हुई क्योंकि सरकार ने पहचान संबंधी अनिवार्य प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही अंतिम संस्कार कराया। इससे पहले, जूली ने कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा से मिलावटखोरों पर कार्रवाई को लेकर सवाल पूछा। मंत्री ने बताया कि दो कंपनियों के गोदाम सील किए गए हैं और इस समस्या से निपटने के लिए विपक्ष का सहयोग मांगा।

यूरिया एवं अन्य उर्वरकों की मांग के अनुसार सभी जिलों में आपूर्ति : किरोड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री डा किरोड़ी लाल मीणा ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में यूरिया की उपलब्धता है एवं सभी जिलों में मांग के अनुसार यूरिया एवं अन्य उर्वरकों की आपूर्ति की गई है। डा मीणा प्रश्नकाल में विधायक पूसाराम गोदारा के इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि उर्वरकों के वितरण एवं आपूर्ति में अनियमितता की शिकायत प्राप्त होने पर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 एवं 2025 में चूरू जिले में यूरिया की मांग अनुसार आपूर्ति कराई गई एवं अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि से डीएपी उर्वरक की आपूर्ति प्रभावित हुई। चूरू जिले के साथ प्रदेश में डीएपी की आंशिक कमी को देखते हुए डीएपी के वैकल्पिक उर्वरक एसएसपी एवं एनपीके की आपूर्ति कृषकों को की गई।

उन्होंने कहा कि फ़र्टिलाइज़र की कालाबाजारी करने वालो पर सरकार सख्ती से कार्रवाई कर रही है। विभाग की विजिलेंस टीम द्वारा लगातार औचक निरीक्षण किये जा रहे है। उन्होंने जानकारी दी कि वर्तमान सरकार के दो साल से भी कम के कार्यकाल में 117 औचक निरीक्षण किये गए जबकि गत सरकार के पूरे कार्यकाल में एक भी औचक निरीक्षण नहीं किया गया। वही 423 नमूने, 80 सीजर, 64 एफआईआर की कार्यवाही भी वर्तमान सरकार द्वारा की गई जो अब तक की सर्वाधिक है।

उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा गुणवत्तायुक्त उर्वरक किसानों को उपलब्ध कराने के लिए 28 हजार से अधिक नमूने लेकर 126 लाइसेंस निलंबित, 37 निरस्त एवं 11 अधिकारियों को निलंबित करने की कार्यवाही भी की गयी है। उन्होंने कहा कि ग्राम सेवा सहकारी समितियों को प्राथमिकता के आधार पर फ़र्टिलाइज़र उपलब्ध करवाया जाता है जिससे उचित मूल्य पर किसानों को उर्वरक प्राप्त हो। फ़र्टिलाइज़र के साथ अन्य उत्पाद खरीदने पर किसान को मजबूर नहीं किया जा सकता। ऐसे मामले पाये जाने पर दो बड़ी कम्पनियों के गोदाम सील किये गये है। उन्होंने सदन को बताया कि उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति के लिए मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, मुख्य सचिव, शासन सचिव कृषि विभाग स्तर से केंद्र सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय को पत्र भी लिखा गया है।

अतिवृष्टि से हुए नुकसान एवं बजट घोषणाओं के त्वरित एवं समयबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा कर दिये आवश्यक निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सिरोही जिले के प्रभारी मंत्री के.के. विश्नोई की अध्यक्षता में आत्मा सभागार में अतिवृष्टि से हुए नुकसान एवं बजट घोषणाओं के त्वरित एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ।

बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रभारी मंत्री विश्नोई ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास के सम्बन्ध में अनुपम कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रदेश के विकास के प्रति प्रतिबद्धता जताते हुए बताया कि राज्य सरकार प्रदेश की जनता के साथ हर सुख दुख में पूर्ण तत्परता के साथ खडी है।

उन्होंने सभी अधिकारियों को सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए आमजन को राहत पहुंचाने की बात कही।

प्रभारी मंत्री विश्नोई ने इस दौरान अतिवृष्टि की स्थिति में मकानों, फसलों, और पशुधन के नुकसान की समीक्षा कर अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में जाकर राहत बचाव आदि कार्यों को तत्परता से करने के निर्देश दिये साथ ही जिले में जर्जर भवनों, टूटी सडकों आदि की समीक्षा करते हुए मरम्मत के सम्बन्ध में भी शीघ्रातिशीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी आमजन के हित के लिए पूर्ण तत्परता के साथ कार्य करें और अलर्ट मोड पर रहे। राज्य सरकार वर्षा प्रभावित लोगां को त्वरित राहत पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने इस दौरान फसल नुकसान, मकान क्षति और पशु हानि आदि की विस्तृत समीक्षा की और प्रस्ताव आदि तैयार करने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

उन्होंने अधिकारियों को फील्ड स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग करने की बात भी कही साथ ही कृषि विभाग के अधिकारियों को कृषि पर्यवेक्षकों के माध्यम से योजनाओं का प्रचार प्रसार करने तथा वृहद स्तर पर काश्तकारों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये।

भारी बारिश जारी, भरतपुर में मकान ढहने से भाई-बहन की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई इलाकों में मूसलधार बारिश का दौर जारी है। नदी-नाले उफान पर हैं और कई जगह निचले इलाकों में जलभराव हो गया है। भरतपुर में एक मकान ढहने से दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भरतपुर के डीग इलाके में रविवार देर रात गांव डुबोकर में एक दोमंजिला मकान भरभराकर गिर गया और हादसे में एक भाई-बहन की मौत हो गई, जबकि एक महिला सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि उदयपुर में झाड़ोल के पास भूस्खलन के कारण सोमवार सुबह सड़क पर बड़े-बड़े पत्थर आ गिरे जिससे उदयपुर-झाड़ोल राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात अवरुद्ध हो गया और

वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इसके अलावा जिले के सायरा इलाके में एक बुजुर्ग व्यक्ति छोटी नदी पर बनी पुलिया पार करते समय बह गया।

सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा इलाके में सोमवार तड़के सरकारी स्कूल की इमारत का कुछ हिस्सा ढह गया। हालांकि, उस समय स्कूल में छात्र मौजूद नहीं थे, इसलिए कोई हताहत नहीं हुआ।

मौसम विभाग ने चार जिलों में अति भारी बारिश का 'ऑरेंज अलर्ट' और छह अन्य जिलों में भारी बारिश का 'येलो अलर्ट' जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के ऊपर बना अवदाब (कम दबाव का क्षेत्र) आज और अधिक तीव्र होकर गहरे अवदाब में परिवर्तित हो गया है और यह दक्षिण-पूर्व पाकिस्तान व आसपास के राजस्थान व भुज क्षेत्र के ऊपर स्थित है।

इसने कहा कि अगले 24 घंटे में इसके धीरे-धीरे आगे बढ़ने और कमजोर होकर पुनः सामान्य अवदाब में परिवर्तित होने की प्रबल संभावना है। इस प्रणाली के प्रभाव से सोमवार को जालौर, सिरोही, बाड़मेर और जैसलमेर जिलों में तेज हवाओं के साथ कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि शेष राजस्थान के अधिकांश भागों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

जैसलमेर और बाड़मेर जिलों में नौ सितंबर को भी कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। इसके बाद आगामी एक सप्ताह में बारिश की गतिविधियों में तेजी से कमी आने की संभावना है और केवल कुछ स्थानों पर ही हल्की बारिश हो सकती है। बीते 24 घंटे में राजस्थान के कुछ भागों में कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश दर्ज की गई है। सबसे अधिक 250 मिलीमीटर बारिश माउंट आबू (सिरोही) में दर्ज की गई।

न्यायालय ने एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने के आदेश पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021 को रद्द करने के एकल पीठ के फैसले पर सोमवार को रोक लगा दी। एकल पीठ ने पेपर लीक और उसमें राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के सदस्यों की संलिप्तता के आरोपों के आधार पर इस परीक्षा को रद्द करने का आदेश दिया था।

भर्ती परीक्षा में सफल चयनित उम्मीदवार विक्रम पंवार की अपील पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायमूर्ति संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने उच्च न्यायालय की एकल पीठ के आदेश के कार्यान्वयन पर रोक लगा दी। खंडपीठ के समक्ष यह तर्क दिया गया कि कथित तौर पर पेपर लीक करने एवं भ्रष्ट तरीकों से चयनित होने वाले थोड़े से ही नामित और चिन्हित उम्मीदवार थे और यदि भर्ती पूरी तरह से रद्द कर दी जाती है तो ईमानदारी से परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सैकड़ों उम्मीदवारों को अपूरणीय क्षति होगी।

अपीलकर्ता ने अपील की कि उक्त आदेश के कार्यान्वयन के विरुद्ध अंतरिम उपाय के जरिए उन्हें संरक्षण दिया जाए। एकल पीठ ने 28 अगस्त को एसआई भर्ती परीक्षा 2021 पूरी भर्ती प्रक्रिया रद्द कर दी थी। आरपीएससी ने 2021 में उपनिरीक्षक और प्लाटून कमांडर के 859 पदों के लिए विज्ञापन दिया था। परीक्षा के दौरान पेपर लीक होने के आरोप सामने आए जिसके बाद सरकार ने मामले की जांच राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) को सौंप दी।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय पंच गौरव समिति की प्रथम बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में राज्य स्तरीय पंच गौरव समिति की प्रथम बैठक आयोजित हुई। बैठक में पंच गौरव कार्यक्रम की प्रगति, जिला स्तरीय कार्ययोजनाओं एवं नोडल विभागों के प्रस्तावों की समीक्षा की गई। चयनित जिलों को बजट आवंटन और पुनर्विनियोजन से जुड़े विषय भी एजेंडे में शामिल रहे।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने निर्देशित किया कि कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन और सतत मॉनिटरिंग के लिए राज्य एवं जिला स्तर पर समितियाँ सक्रिय रहें और उपखण्ड स्तर पर नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि योजनाओं को समयबद्ध कार्ययोजना के अनुसार लागू किया जाए, विभागों के बीच समन्वय सुदृढ़ किया जाए और पंचायत स्तर तक विशेष अभियान

चलाकर अधिकतम लाभार्थियों तक पहुँचा जाए। साथ ही वित्तीय प्रावधानों और बजट उपयोग की नियमित समीक्षा कर कार्यक्रम का लाभ समय पर और पारदर्शी तरीके से जनता तक पहुँचाया जाए। आयोजना विभाग के निदेशक विनेश सिंघवी ने बताया कि पंच गौरव कार्यक्रम को राज्य सरकार ने फ्लैगशिप योजना घोषित किया है। उन्होंने बताया कि सभी जिलों से कार्ययोजनाएँ प्राप्त कर उनका परीक्षण संबंधित विभागों से कराया जा चुका है। उन्होंने बैठक के एजेंडा में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इनमें जिला स्तरीय समितियों से प्राप्त 406 करोड़ की कार्ययोजनाओं पर विचार, नोडल विभाग की अनुशंसा पर 86.18 करोड़ का बजट जिलों को आवंटित करने पर चर्चा, तथा छ100 करोड़ के प्राविधिक बजट को विभिन्न मदों में पुनर्विनियोजित करने का प्रस्ताव प्रमुख रहे। इसके साथ ही प्रत्येक संभाग के जिलों को 50 लाख और अन्य जिलों को 25 लाख अनटाइड फंड उपलब्ध कराने के विषय पर भी विचार-विमर्श किया गया और निर्णय हुए।

हर वर्ष आयोजित होगा मसाला कॉन्क्लेव : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान मसालों के उत्पादन और व्यापार का प्रमुख केंद्र होने के साथ हीमसालों की समृद्ध परंपरा के लिए विश्व विख्यात है।उन्होंने कहा कि राज्य में मसाला कॉनक्लेव का आयोजन हमारे मसाला उद्योग को नई दिशा व गति प्रदान करेगा। शर्मा ने कार्यक्रम में घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश मेंअब हर वर्ष मसाला कॉन्क्लेव आयोजित किया जाएगा। साथ ही, इस संबंध में समिति का गठन भी किया जाएगा जिससे राज्य के मसाला उत्पादकों एवं व्यापारियों को नई संभावनाओं और नए अवसरों का सृजन करने के लिए एक वैश्विक मंच मिल सके।

शर्मा सोमवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव-2025 में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में मसाला प्रसंस्करण उद्योग की अपार संभावनाएं है। राजस्थान जीरा उत्पादन में देश में पहले, मैथी एवं सौंफ उत्पादन में दूसरे और धनिया एवं अजवाइन उत्पादन में तीसरे

स्थान पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फोर लोकल की अवधारणा मसाला उद्योग के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य की डबल इंजन सरकार विपणन व्यवस्था को मजबूत बनाने और कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण से किसानों की आय दोगुनी करने हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही हैं। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा कॉमन इन्क्यूबेशन सेंटर बनाए जा रहे हैं। राजस्थान में भी इस योजना के तहत आठ इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। इन इन्क्यूबेंशन सेंटर में कृषि उपज की जांच, छंटाई, ग्रेडिंग, गोदाम, कोल्ड स्टोरेज और ओडीओपी उपज के लिए प्रसंस्करण सुविधा मिल सकेगी, जिससे वे अपने प्रसंस्कृत उत्पादों को उचित मूल्य पर बाजार में बेच पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा किसानों के कल्याण एवं समृद्धि के लिए कई नीतियां लाई गई हैं। कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति के तहत राज्य में 1 हजार 497 कृषि आधारित औद्योगिक इकाइयों को लगभग 630 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। साथ ही, कृषि आधारित उद्योगों एवं प्रसंस्करण इकाइयों में राज्य में करीब 3 हजार 504 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट से कृषि प्रसंस्करण के क्षेत्र में राज्य में करीब 44 हजार करोड़ रुपये का निवेश होना प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कृषि प्रसंस्करण एवं आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने और निवेशकों के प्रोत्साहन हेतु अगले साल की शुरुआत में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट का आयोजन किया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार ने कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के मसालों को विशिष्ट वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रमुख मसालों एवं अन्य कृषि उत्पादों को जीआई टैग दिलवाया जा रहा है। जीआई टैग मिलने से उत्पादकों और प्रसंस्करणकर्ताओं को मूल्य संवर्धन का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि एफपीओ को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए राज्य की एफपीओ पॉलिसी भी तैयार की जा रही है। साथ ही,अब तक राज्य में 913 कृषक उत्पादक संगठनों का पंजीकरण किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रसंस्करणकर्ताओं को एक ही स्थान पर प्रसंस्करण सें संबंधित सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए राज्य के विभिन्न जिलों के 39 स्थानों पर फूड पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही, मंडी यार्ड में विकास कार्य और किसानों को मंडी यार्डों तक अपनी उपज लाने की सुविधा के लिए संपर्क सड़कों का निर्माण भी करवाया जा रहा है।

राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न और बिहार का अपमान करने वालों पर हो कड़ी कार्रवाई : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय प्रतीक और बिहार का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चौधरी ने कश्मीर में राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ का अपमान करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने अशोक स्तंभ को बिहार की अस्मिता से जोड़ते हुए कहा कि सम्राट अशोक बिहार के गौरव थे। चौधरी ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से बातचीत में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि इस मुद्दे पर महागठबंधन के दलों को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा बिहार के गौरवशाली इतिहास के अपमान के मुद्दे को लालू प्रसाद और उनके परिवार द्वारा हल्के में लेना बिहार का अपमान है। उन्होंने 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान एक मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां के लिए कथित तौर पर अपशब्द कहे जाने और केरल कांग्रेस द्वारा बिहार को कथित तौर पर बीड़ी से जोड़े जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि 'इंडिया' गठबंधन जानबूझ कर बिहार और बिहारियों का अपमान कर रहा है। सम्राट चौधरी ने कहा कि भारत की

सभ्यता, संस्कृति और प्रतीक का विरोध करने वालों पर देशद्रोह कानून के तहत कारवाई होनी चाहिए। चौधरी ने लालू परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि ''सामाजिक न्याय तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) करता है, राजद प्रमुख लालू प्रसाद और उनका परिवार अराजकता, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार का प्रतीक है।'' जगदेव प्रसाद के हत्यारों के खिलाफ कारवाई करने संबंधी राजद नेता तेजस्वी यादव के बयान को लेकर पूछे गए एक सवाल पर चौधरी ने आरोप लगाते हुए कहा, ''जगदेव बाबू की हत्या करवाने वाली कांग्रेस के साथ मिलकर उनके पिता लालू प्रसाद 15 साल तक सरकार चलाये और वह खुद पिछले 10 सालों से कांग्रेस के साथ गलबहियां कर रहे हैं।'' चौधरी ने मुख्यमंत्री पद के लिए राजग के उम्मीदवार को लेकर जारी अटकलों को भी खारिज किया और दोहराया कि जनता दल (यूनाइटेड) अध्यक्ष नीतीश कुमार ही गठबंधन का चेहरा रहेंगे। उन्होंने कहा, ''भाजपा और जद(यू) का गठबंधन स्वाभाविक गठबंधन है। वह (कुमार) राजग के मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं और विधानसभा चुनाव के बाद भी रहेंगे। विपक्ष के नेता जो चाहें, वह कहें।'' सम्राट चौधरी ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एवं उपराष्ट्रपति पद के लिए 'इंडिया' गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी की राजद प्रमुख लालू प्रसाद से मुलाकात की कड़ी आलोचना की।

दिवाली-छठ पर बिहार के लिए चलेंगी 12000 से अधिक विशेष ट्रेनें : सम्राट चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने दिवाली और छठ पर्व के अवसर पर बिहार के लिए 12000 से अधिक विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।

उपमुख्यमंत्री ने 'एक्स' लिखा कि इस वर्ष विशेष ट्रेन की कुल संख्या 12739 होगी, जबकि 2024 में यह संख्या 7500 से अधिक थी। उन्होंने कहा कि इनमें से 8591 ट्रेन की अधिसूचना पहले ही जारी हो चुकी है। भाजपा विधानमंडल दल के नेता चौधरी ने इस फैसले को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह बिहार के उन लाखों लोगों को सुविधा पहुंचाने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो त्योहारों के दौरान अपने घर लौटना चाहते हैं। चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को बिहार के प्रति इस विशेष स्नेह के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सक्षम नेतृत्व की प्रशंसा भी की।

सीईसी और निर्वाचन आयोग को इतिहास कभी माफ नहीं करेगा: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद सोमवार को कहा कि निर्वाचन आयोग को शर्मिंदा करने की जरूरत है क्योंकि उसने आधार को पहचान के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने के शीर्ष अदालत के पहले के निर्देश का निर्लज्जता के साथ उल्लंघन किया।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और आयोग को इतिहास कभी माफ नहीं करेगा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह चुनावी राज्य बिहार में एसआईआर में मतदाता की पहचान सुनिश्चित करने के लिए 'आधार' को 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में शामिल करे। फिलहाल, बिहार में एसआईआर के लिए 11 निर्धारित दस्तावेज हैं जिन्हें मतदाताओं को अपने प्रपत्रों के साथ जमा करना होगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने स्पष्ट किया कि 'आधार' नागरिकता का प्रमाण नहीं होगा और आयोग मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए मतदाता द्वारा प्रस्तुत आधार कार्ड संख्या की वास्तविकता का पता लगा सकता है।

शराब न मिलने पर होमगार्ड ने ठेके में लगाई आग, गिरफ्तार

मेरठ (उप्र)/भाषा। मेरठ जिले में शराब न मिलने पर अंग्रेजी शराब के ठेके में कथित रूप से आग लगाने को लेकर एक होमगार्ड को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार घटना शनिवार देर रात दौराला थाना क्षेत्र में हुई। आरोपी होमगार्ड की पहचान कपिल के रूप में हुई है, जो पुलिस के 'डायल-112' पर तैनात था। आरोप है कि उसने शराब उधार न मिलने पर गुस्से में ठेके में आग लगा दी।

सीसीटीवी फुटेज में आरोपी खाकी रंग की पैंट और काली बनियान पहने, सिर पर गमछा बांधे ठेके पर पहुंचता दिखाई दे रहा है। वीडियो में नजर आ रहा है कि वह बोतल से पेट्रोल निकालकर दुकान के बाहर छिड़कता है और माचिस जलाकर आग लगा देता है। इसके बाद वह अपनी मोटरसाइकिल से भाग जाता है। उसी दौरान वहां मौजूद एक साइकिल सवार भी बाद में चला गया। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने पहले विक्रेता से शराब मांगी थी और मना किये जाने पर उसने यह कदम उठाया। ठेके के 'सेल्समैन (विक्रयकर्मी)' की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि पूछताछ में कपिल ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है।

शरत के संन्यास के बावजूद भारतीय टेबल टेनिस का भविष्य उज्ज्वल: राष्ट्रीय कोच गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता राष्ट्रीय कोच संदीप गुप्ता ने सोमवार को कहा कि दिग्गज खिलाड़ी शरत कमल के हाल ही में संन्यास लेने के बावजूद प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का अच्छा पूल होने के कारण भारतीय टेबल टेनिस का भविष्य उज्ज्वल नजर आता है। गुप्ता फिलहाल राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में व्यस्त हैं, जो 13 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में आयोजित की जा रही है। स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा के बचपन के कोच गुप्ता ने कहा कि इस टूर्नामेंट में लगभग 3000 प्रतिभागियों का शामिल होना, पूरे भारत में इस खेल के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है। गुप्ता ने पीटीआई से कहा, ''भारत का टेबल टेनिस में भविष्य बहुत उज्ज्वल है। शरत ने जो स्तर तय किया था, वह बहुत ऊंचा था। उसके बाद, प्रतिभाओं की कमी हो गई।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन अब हमारे शीर्ष खिलाड़ी मानुष, मानव, साथियान, हरमीत और अंकुर भट्टाचार्य लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और भारतीय टेबल टेनिस को बखूबी आगे बढ़ा रहे हैं।''

प्रदर्शन का विश्लेषण करना और गलतियों से सीखना महत्वपूर्ण रहा: हरमनप्रीत

राजगीर (बिहार)/भाषा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि हर मैच के बाद उसका तुरंत विश्लेषण करने और गलतियों से सीख लेने के कारण उनकी टीम एशिया कप में आठ साल के खिताबी सूखे को खत्म करने में सफल रही। भारत ने रविवार को फाइनल में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर एशियाई चैंपियन बनने के साथ अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई किया।

हरमनप्रीत ने कहा, ''हम इसके लिए काफी समय से तैयारी कर रहे थे और आज हमने इसे हासिल कर लिया। मैं बहुत खुश हूं। अब हमारा अगला लक्ष्य विश्व कप है।'' उन्होंने कहा, ''हम हर मैच से सीखते हैं। मैं हमेशा कहता रहा हूं कि प्रत्येक मैच में कुछ अच्छा और कुछ बुरा होता है। मायने यह रखता है कि आप उन चीज़ों का विश्लेषण कैसे करते हैं और कितनी जल्दी उस पर काम करते हैं। एक टीम के तौर पर हमने अच्छा बचाव किया है और स्कोरिंग भी शानदार रही है।'' भारत ने एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में निराशाजनक प्रदर्शन किया था, जिसमें उसे लगातार सात हार का सामना करना पड़ा था। तब उसने आठ मैचों में 26 गोल खाए थे। लेकिन एशिया कप में भारत ने सात मैचों में केवल नौ गोल खाए और 39 गोल किए।

असुरक्षा और अवसर की कमी रोक रही है बिहार की बेटियों की राह : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि बिहार की बेटियां प्रतिभावान हैं, लेकिन असुरक्षा, असुविधा और अवसर की कमी उनकी राह रोक रही है। उन्होंने बिहार में निकाली गई 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान कुछ छात्राओं से मुलाकात का एक वीडियो सोमवार को अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किया।

राहुल गांधी ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट किया और कहा, ''वोटर अधिकार यात्रा के दौरान मुझे बिहार की उन बेटियों से मिलने का अवसर मिला, जो पहली बार वोट डालने जा रही हैं। बातचीत में एक बात बिल्कुल साफ़ दिखी कि बिहार की बेटियां प्रतिभा से भरी हैं, उनके इरादे बुलंद हैं और सपने बड़े। लेकिन असुरक्षा, असुविधा और अवसर की कमी उनकी राह रोक देती है।'' उन्होंने दावा किया, ''स्कूल और कॉलेज दूर हैं। बस और ट्रेन में छेड़छाड़ आम है। रास्तों में अंधेरा और असुरक्षा है। सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था जर्जर हालत में है। अंधाधुंध निजीकरण ने ग़रीब और आम परिवारों की बेटियों को और पीछे धकेल दिया है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, '' इन हालात से जूझकर भी जब वे अपने हक़ के लिए आवाज़ उठाती हैं, तो उन्हें ताना सुनना पड़ता है कि तुम बहुत बड़ी नेता हो क्या? लेकिन यही सच्चाई है।'' उन्होंने कहा कि बिहार की बेटियां बदलाव की सबसे बड़ी ताक़त हैं और उनकी आवाज़ दबाई नहीं जा सकती।

कुंठित कांग्रेसियों के अनर्गल प्रलापों से परेशान है पूरा देश : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कुंठित कांग्रेसियों के अनर्गल प्रलापों से पूरा देश परेशान है। मौर्य ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राहुल गांधी ख़ासे परेशान हैं। उन्होंने लिखा,और इन गांधी की हरकतों से अंदर से कांग्रेसी परेशान हैं । लंबे समय से सत्ता से बेदखल होने के कारण इन कुंठित कांग्रेसियों के अनर्गल प्रलापों से पूरा देश परेशान है।

सपा शासनकाल में हुई कई सरकारी भर्तियों को जांच के लिए सीबीआई को सौंपा : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) की पिछली सरकार के शासनकाल के दौरान हुई सरकारी भर्तियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि गड़बड़ियों की वजह से उनकी सरकार ने बहुत सारी भर्तियों की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी थी।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 1112 कनिष्ठ सहायक और 22 एक्सरे तकनीशियन के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्य की पूर्ववर्ती सपा सरकार पर भर्तियों में धांधली किये जाने का आरोप लगाया और कहा, ''किस प्रकार की भर्तियां होती थीं। हमें बहुत सारी भर्तियों की जांच उस समय सीबीआई को देनी पड़ी थी।'' उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में वर्ष 2016 से एक व्यक्ति के नियुक्ति पत्र पर कई जिलों में छह अलग-अलग लोगों द्वारा नौकरी किये जाने के एक प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा, ''आपने देखा होगा कि एक व्यक्ति आठ-आठ जगह पर नाम लिखाकर पैसा लिये जा रहा था। वो तो जब जांच में सामने आया तब पता लगा।''

आदित्यनाथ ने किसी का नाम लिये बगैर कहा, ''ये कौन लोग हैं...ये वो ही लोग हैं जिनसे एक परिवार के लोग पैसा लेकर ये भर्ती करते थे और उत्तर प्रदेश की जनता को इस प्रकार से लूटते थे। वह भर्ती 2016 की है। अभी वह जांच चल रही है। वह जांच समय पर हो जाएगी तो ऐसे महाभारत के रिश्ते सामने आयेंगे। अब वे बाकी का जीवन जेल में ही बिताने पर मजबूर होंगे।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा इसलिये क्योंकि उनके कारनामे ही ऐसे थे जिन्होंने उत्तर प्रदेश को विकास के पथ पर ले जाने के बजाय उससे लगातार दूर ही रखा।

ग्रेट निकोबार परियोजना राष्ट्रीय मूल्यों के साथ विश्वासघात, इसके खिलाफ आवाज उठानी होगी: सोनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने सोमवार को कहा कि ग्रेट निकोबार परियोजना एक ''सुनियोजित दुस्साहस, न्याय का उपहास और राष्ट्रीय मूल्यों के साथ विश्वासघात'' है, जिसके खिलाफ आवाज उठाई जानी चाहिए। सोनिया गांधी ने अंग्रेजी दैनिक ''द हिंदू'' के लिए लिखे एक लेख में यह भी कहा कि जब कुछ जनजातियों का अस्तित्व ही दांव पर हो, तो देश की सामूहिक अंतरात्मा चुप नहीं रह सकती और एक अत्यंत विशिष्ट पारिस्थितिकी तंत्र का इतने बड़े पैमाने पर विनाश नहीं होने दिया जा सकता। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह लेख सोशल मीडिया मंचों पर साझा किया और इस परियोजना को लेकर सवाल उठाए।

राहुल गांधी ने कहा कि इस लेख के जरिये सोनिया गांधी ने इस परियोजना के माध्यम से निकोबार के लोगों तथा वहां की पारिस्थितिकी तंत्र के साथ किए जा रहे अन्याय को उजागर किया है। सोनिया गांधी ने लेख में कहा, पिछले 11 वर्षों में अधूरी और गलत नीतियां बनाई गई हैं। इस सुनियोजित दुस्साहस की श्रृंखला में नवीनतम है 'ग्रेट निकोबार मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना'। 72,000 करोड़ रुपए का यह पूरी तरह से गलत खर्च द्वीप के मूल आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा करता है, यह दुनिया के सबसे अनोखे वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक के लिए खतरा है और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। इसके बावजूद इसे असंवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे सभी कानूनी और सुविचारित प्रक्रियाओं का मज़ाक उड़ाया जा रहा है। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि इस परियोजना के माध्यम से आदिवासियों को उजाड़ा जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, '' ग्रेट निकोबार द्वीप दो मूल समुदायों, निकोबारी जनजाति और शोम्पेन जनजाति (एक विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह) का घर है। निकोबारी आदिवासियों के पैतृक गांव परियोजना के प्रस्तावित भू-क्षेत्र में आते हैं। 2004 में हिंद महासागर में आई सुनामी के दौरान निकोबारी लोगों को अपने गांव छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। सोनिया गांधी के अनुसार, यह परियोजना अब इस समुदाय को स्थायी रूप से विस्थापित कर देगी जिससे उनके अपने पैतृक गांवों में लौटने का सपना टूट जाएगा। उनका दावा है कि शोम्पेन समुदाय को और भी बड़े खतरे का सामना करना पड़ रहा है। शोम्पेन समुदाय को एक और भी बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। द्वीप की शोम्पेन नीति, जिसे केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया है, विशेष रूप से अधिकारियों से यह अपेक्षा करती है कि वे 'बड़े पैमाने पर विकास प्रस्तावों' पर विचार करते समय इस जनजाति की भलाई और 'अखंडता' को प्राथमिकता दें।'' उन्होंने कहा कि इसके बजाय यह परियोजना शोम्पेन जनजातीय अभयारण्य के एक बड़े हिस्से को अधिसूचित नहीं करती, यह शोम्पेन के निवास वाले वन पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करती है और यह द्वीप पर बड़े पैमाने पर लोगों और पर्यटकों की आमद का कारण बनेगी। उन्होंने कहा, अंततः शोम्पेन खुद को अपनी पैतृक भूमि से कटा हुआ पाएंगे और अपने सामाजिक और आर्थिक अस्तित्व को बनाए रखने में असमर्थ पाएंगे। फिर भी, सरकार हठधर्मिता और हैरान करने वाली जिद पर अड़ी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय समुदायों की सुरक्षा के लिए स्थापित उचित प्रक्रिया और नियामक सुरक्षा उपायों की अवहेलना की गई है। सोनिया गांधी ने कहा, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवज़ा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अनुसार किए गए सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन में निकोबारी और शोम्पेन को इस प्रक्रिया के हितधारक के रूप में माना जाना चाहिए था और उन पर परियोजना के प्रभाव का मूल्यांकन किया जाना चाहिए था। इसके बजाय, इसमें उनका कोई भी उल्लेख नहीं है।

त्रिपुरा ने 100 दिवसीय कैंसर जांच अभियान शुरू किया

अगरतला/भाषा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने त्रिपुरा में 100 दिवसीय विशेष जांच कार्यक्रम शुरू किया है, ताकि राज्य भर में कैंसर की पहचान प्रारंभिक चरण में हो सके। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के माध्यम से सोमवार को यह जानकारी दी गई। यह अभियान अंडाशय, स्तन और मुख के कैंसर की पहचान पर केंद्रित होगा, क्योंकि इन प्रकार के कैंसर की व्यापकता देश और राज्य दोनों में अपेक्षाकृत अधिक है।

बयान में कहा गया है कि प्रज्ञा भवन में दो सितंबर को प्रशिक्षकों का एक विशेष प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 'जॉन्स हॉपकिन्स प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल एजुकेशन इन गायनेकोलॉजी एंड ऑब्सटेट्रिक्स' (जेएचपीईजीओ) नामक एक गैर सरकारी संगठन के विशेषज्ञ, प्रशिक्षक और प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान क्षमता निर्माण पर विशेष जोर दिया गया। इस पहल के तहत चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों, एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

विज्ञप्ति में कहा गया है, टीओटी का उद्देश्य कुशल मास्टर प्रशिक्षकों का एक समूह उपलब्ध कराना है, जो उप-केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इसमें कहा गया है कि ये मास्टर प्रशिक्षक जिला स्तर की आशा कार्यकर्ताओं को कैंसर की जांच और पहचान का प्रशिक्षण भी देंगे।

रेड्डी का देश की आत्मा बचाने की बात करना और लालू यादव से मिलना पाखंड की पराकाष्ठा है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से मुलाकात करने के लिए आलोचना की और दावा किया कि भ्रष्टाचार के मामलों में दोषी ठहराए गए नेता से संपर्क करने से उनका पाखंड उजागर हो गया है।

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा कि यह पाखंड की पराकाष्ठा है। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश रेड्डी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह भारत की आत्मा को बचाने के लिए वोट मांग रहे हैं और बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं।

प्रसाद ने कहा कि रेड्डी भारत की आत्मा को बचाने की बात करते हैं और वह ऐसे व्यक्ति से मिल रहे हैं, जो न केवल चारा घोटाले में दोषी हैं, बल्कि उन पर रिश्वत लेकर रेलवे में नौकरी देने सहित भ्रष्टाचार के अन्य आरोप भी हैं। उन्होंने कहा, ''आप उच्चतम न्यायालय के कैसे पूर्व न्यायाधीश हैं? लालू प्रसाद यादव तो चुनाव में मतदाता भी नहीं हैं। कृपया आत्मा बचाने की बात न करें... यह पाखंड की पराकाष्ठा है। हम उनके आचरण की निंदा करते हैं।'' पूर्व कानून मंत्री ने उन सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की भी आलोचना की, जिन्होंने गृह मंत्री अमित शाह की ओर से विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की आलोचना के दौरान उनका बचाव किया था। शाह ने सलवा जुडूम पर फैसले को लेकर रेड्डी की आलोचना की थी। भाजपा का कहना है कि इससे नक्सलियों के प्रति उनकी सहानुभूति प्रदर्शित होती है।

प्रसाद ने उनकी ''चुप्पी'' पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि रेड्डी ने यादव से मुलाकात करके एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश से अपेक्षित गरिमा से नीचे का काम किया है। अपने संवाददाता सम्मेलन में भाजपा नेता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भी आलोचना की और उन्हें लापरवाह नेता करार दिया। प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी कथित तौर पर निजी विदेश यात्रा पर हैं, जबकि उन्हें कर्नाटक और पंजाब जैसे बाढ़ प्रभावित राज्यों का दौरा करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सोच रहे होंगे कि थोड़ा काम कर लिया है अब कुछ आराम कर लूं।

प्रसाद ने कहा, '' राहुल गांधी, मैं आपको याद दिला दूं कि सार्वजनिक जीवन में कोई ब्रेक नहीं होता। अगर आप नेता हैं, तो आपको जनता के हितों के लिए उपलब्ध रहना होगा।'' उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर भी निशाना साधा।

जब दांव सही पड़ा: भारत को एशिया कप में बदलाव का साहस दिखाने से मिली सफलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर (बिहार)/भाषा। भारतीय हॉकी टीम के लिए कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को हटाकर युवा खिलाड़ियों को मौका देने का दांव एशिया कप में सही साबित हुआ जिसके फाइनल में टीम ने दक्षिण कोरिया को 4-1 के बड़े अंतर से हराकर आठ साल बाद इस खिताब जीतने के साथ अगले साल होने वाले विश्व कप का टिकट पक्का किया।

यह जीत टीम को भविष्य में और बदलाव कर युवाओं को अधिक मौके देने के लिए प्रेरित करेगी। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के तीन खिलाड़ियों, शमशेर सिंह, गुरजंत सिंह और नीलकंठ शर्मा को की जगह मिडफील्डर राजिंदर सिंह और स्ट्राइकर शिलानंद लकड़ा को टीम में शामिल किया गया था।

यह कदम एक मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ क्योंकि दोनों युवा खिलाड़ियों ने सिर्फ एक-एक गोल करने के बावजूद हाल ही में खत्म हुए टूर्नामेंट में काफी प्रभावित किया। भारत की कोर टीम में भविष्य में कुछ और बदलाव देखने को मिल सकते हैं। खासकर 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप के बाद। अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप और जापान में 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों को देखते हुए भारत जूनियर विश्व कप के बाद कुछ होनहार जूनियर खिलाड़ियों को सीनियर स्तर पर आजमा सकता है।

हॉकी इंडिया की चयन समिति के अध्यक्ष आरपी सिंह ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि खराब प्रदर्शन करने वाले कुछ सीनियर खिलाड़ियों को धीरे-धीरे टीम से बाहर किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''हमें अपनी टीम बनाते समय उभरते खिलाड़ियों पर भी ध्यान देना होगा। अगर हम एक साथ छह-सात सीनियर खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर देंगे तो यह कारगर नहीं होगा। चयन समिति की जिम्मेदारी है कि वह सुनिश्चित करें कि जो सीनियर खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं, उन्हें धीरे-धीरे टीम से बाहर किया जाए।''

उन्होंने कहा, ''पेरिस ओलंपिक के बाद काफी समय बीत चुका है। हमने यह योजना बहुत पहले ही बना ली थी। अगर हम युवाओं को छोटे टूर्नामेंट में मौका नहीं देंगे, तो हम उन्हें सीधे विश्व कप में नहीं खिला सकते।'' भारत का अक्टूबर से दिसंबर तक का कार्यक्रम काफी व्यस्त है, जिसके दौरान दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट दौरे के अलावा मलेशिया में सुल्तान अजलान शाह कप में हिस्सा लेना है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन इन टूर्नामेंटों में कुछ जूनियर खिलाड़ियों को आजमा सकते हैं।

एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद एशिया कप का खिताब हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम के लिए एक राहत की तरह आया। टीम ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम किया और चौथी बार खिताब जीता। उन्होंने पिछली बार 2017 में ढाका में ट्रॉफी जीती थी। टीम इससे पहले 2003 में कुआलालंपुर और 2007 में चेन्नई में एशिया कप चैंपियन बनी थी।

भारत ने भले ही अच्छा प्रदर्शन किया हो लेकिन टूर्नामेंट में उसकी शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही। मेजबान टीम को पूल चरण में चीन और कोरिया पर क्रमश: 4-3 और 3-2 से जीत हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। कमजोर कजाखिस्तान को 15-0 से हराने के बाद उनके अभियान ने गति पकड़ी।

सुविचार

आत्मविश्वास वह शक्ति है जो आपको असंभव को संभव बना सकती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुलगता नेपाल: संयोग या प्रयोग?

नेपाल सुलग उठा। युवाओं का आक्रोश भड़क उठा। बांग्लादेश के बाद हमारे एक और पड़ोसी देश में 'जनता' का सड़कों पर उतर कर तोड़फोड़ मचाना कोई संयोग है या प्रयोग है? नेपाल में ऐसा क्या हुआ कि हजारों युवा इतने भड़क गए और उन्होंने संसद भवन में घुसकर हुड़दंग मचाया? हाल में जब नेपाल सरकार ने फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, वॉट्सऐप, एक्स और लिंक्डइन जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाया तो यह कदम एक ओर जहां युवाओं को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला लगा, वहीं इससे कई परिवारों की आमदनी को भी चोट पहुंची। नेपाल में पर्यटन एक बड़ा उद्योग है। इसके अलावा भी कई कारोबार सोशल मीडिया के जरिए चल रहे थे। अगर अचानक सभी बड़े प्लेटफॉर्म्स पर पाबंदी लगा दी जाएगी तो लोग इसे दमनकारी फैसला समझेंगे। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने सत्ता में आने के बाद जो फैसले लिए, वे नेपाल के हालात को बेहतर बनाने में नाकाफी ही साबित हुए। वे कथित सीमा विवाद को लेकर भारत के साथ टकराव के मौके ढूंढ़ते रहे। ऐसे भी आरोप हैं कि उन्होंने शासन में चीनी घुसपैठ पर चुप्पी साध रखी है। नेपाल के लोगों का स्वाभाविक जुड़ाव भारत के साथ है। उन्हें आशंका है कि ओली उनसे चीन की तर्ज पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता छीनना चाहते हैं। प्रदर्शनकारी युवाओं के इस आरोप को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता कि ओली के आने के बाद नेपाल में भ्रष्टाचार, लालफीताशाही, सरकारी तंत्र की मनमानी में बढ़ोतरी हुई है। हाल में नेपाली नेताओं की संतानों के ऐसे वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे, जिनमें वे 'ऐश' करते नजर आ रहे थे। वहीं, आम नेपाली अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहा है।

नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का सरकार का फैसला उक्त आक्रोश के पीछे अकेली वजह नहीं है। हालांकि, सरकार चाहती तो अपने फैसले को न्यायसंगत बनाकर टकराव को टाल सकती थी। इसके बजाय उसने यह तर्क देकर इन प्लेटफॉर्म्स पर ताला लगा दिया कि इनके जरिए फर्जी खबरें फैल रही हैं और साइबर अपराधों को बढ़ावा मिल रहा है। क्या अफवाहों और अपराधों को रोकने का यह एकमात्र तरीका है कि सोशल मीडिया बंद कर दें? फिर तो सड़क हादसे रोकने के लिए वाहनों पर भी प्रतिबंध लगा देना चाहिए! नेपाल सरकार को चाहिए था कि वह झूठ का प्रसार करने वाले अकाउंटस पर प्रतिबंध लगाती, साइबर अपराधियों को सख्त सज़ाएं देना सुनिश्चित करती। उसने इसके बजाय 'न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी' वाली कहावत को कुछ ज्यादा ही गंभीरता से ले लिया था। नेपाल में सत्तारूढ़ वर्ग को लेकर खासी निराशा है। राजनीतिक कलह, अदूरदर्शिता, महंगाई, बेरोजगारी, धर्मांतरण जैसे कई मुद्दे हैं, जिन पर सरकार न तो कोई पुख्ता कदम उठा सकी और न ही कोई ठोस आश्वासन दे पाई। बिगड़ते हालात को देखकर लोग वापस हिंदू राष्ट्र की मांग करने लगे। ओली पर आरोप है कि वे नेपाल की हिंदू संस्कृति को कमजोर कर चीनी मॉडल थोपने की कोशिश कर रहे हैं। कई संगठन इस बात पर चिंता जता चुके हैं कि नेपाल में बड़े स्तर पर धर्मांतरण का खेल चल रहा है। लोगों को रोटी, मकान, इलाज, शादी, नौकरी, शिक्षा जैसे प्रलोभन देकर उनका धर्म बदलवाया जा रहा है। इन गतिविधियों के तार विदेशी संस्थाओं से जुड़ रहे हैं। माना जाता है कि ओली ने इन चिंताओं को कभी गंभीरता से नहीं लिया और अपनी राजनीतिक विचारधारा का ही राग अलापते रहे। इसका नतीजा सबके सामने है।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव-2025 का उद्घाटन कर समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उपस्थित जनों को हमारी सरकार द्वारा मसाला उद्योग के विकास तथा किसानों और व्यापारियों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं और नीतियों की जानकारी दी।

-भजनलाल शर्मा

दिल्ली का गौरवशाली इतिहास क़िला राय पिथौरा की दीवारों में अब भी अंकित है। यह क़िला बताता है कि सदियों में दिल्ली ने कैसे रूप बदले और राजधानी की संस्कृति किस तरह विकसित हुई। इसकी स्थापत्य शैली असाधारण है और हर पत्थर अतीत की कहानी कहता है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

गीतकार और गायक श्री भूपेन हज़ारिका जी की जयंती पर भावपूर्ण नमन। उनकी विलक्षण प्रतिभा ने भारतीय कला और संस्कृति को विश्व मंच पर एक नई पहचान दी। उनकी कला ने क्षेत्र की सीमाओं को तोड़कर संपूर्ण देश में एकता और बंधुत्व का संदेश दिया।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

निष्काम दान

गुजरात की राजमाता मीनाल देवी ने भगवान सोमनाथ का विधिवत अभिषेक कर स्वर्ण दान किया। इस दान के बाद उनके मन में अहंकार आ गया कि ऐसा भव्य दान किसी ने नहीं किया होगा। उसी रात उन्हें स्वप्न में भगवान सोमनाथ के दर्शन हुए। भगवान ने कहा, 'मेरे मंदिर में आज एक गरीब महिला आई थी। उसका पुण्य तुम्हारे स्वर्णदान से कई गुना अधिक है।' प्रभु की वाणी सुनकर राजमाता चकित रह गईं और उन्होंने उस गरीब महिला को महल में बुलवाया। राजमाता ने उससे कहा, 'मुझे अपने संचित पुण्य दे दो। इसके बदले जो भी धनराशि चाहिए, मैं देने को तैयार हूं।' गरीब महिला ने बड़ी विनम्रता से उत्तर दिया, 'राजमाता, मैं तो अत्यंत निर्धन हूं। मुझे तो यह भी नहीं पता कि कौन-सा पुण्य मेरे द्वारा हुआ है। ऐसे में मैं आपको क्या दे सकूंगी?' राजमाता ने उससे पिछले दिन के कार्यों के विषय में पूछताछ की। महिला ने सरलता से बताया, 'कल किसी ने मुझे दान में एक मुट्ठी बूंदी दी थी। उसमें से आधी बूंदी मैंने भगवान सोमेश्वर को चढ़ा दी और जब शेष आधी खाने जा रही थी, तभी एक भूखे भिखारी ने मुझसे मांग ली, तो मैंने वह भी उसे दे दी।'

सामयिक

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या कुदरत की नाराज़गी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं।

आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था-प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं। यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मर्यादा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं।

वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है।

भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं। देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है।

अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं 'सरकार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बननी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा। पूर्व चेतावनी प्रणाली को सशक्त बनाना, पहाड़ी राज्यों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, आपदा प्रबंधन तंत्र को त्वरित और प्रभावी बनाना, और सबसे बढ़कर-वनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, यह सब आज की सबसे बड़ी जरूरत है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली भारी जन-धन हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकता। इस वर्ष की बाढ़ और बादल फटने की घटनाएं केवल त्रासदी नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश हैं-कि प्रकृति के साथ असंतुलन की कीमत हमें अपने अस्तित्व से चुकानी पड़ सकती है। इसलिए विकास की नीतियों को पर्यावरण की दृष्टि से पुनर्परिभाषित करना ही इस संकट से उबरने का वास्तविक मार्ग है।

मंथन

वृद्धावस्था की ओर बढ़ता भारत

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 9981061100

प्रकृतिजन्य जैविक घटना के अनुसार एक संतुलित समाज में बच्चों, किशोरों, युवाओं, प्रौढ़ों और बुजुर्गों की संख्या को एक निश्चित अनुपात में होना चाहिए। अन्यथा यदि कोई एक आयु समूह की संख्या में गैर आनुपातिक ढंग से वृद्धि दर्ज ही जाती है तो यह वृद्धि उस संतुलन को नष्ट कर देगी, जो मानव समाज के विकास का प्राकृतिक आधार बनता है। भारत में जिस तेजी से बुजुर्गों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है, वह आर्थिक व स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से तो संकट पैदा कर ही रही है, देश का भविष्य माने जाने वाले युवाओं के हित का एक बड़ा हिस्सा भी बुजुर्गों पर न्योछावर किया जा रहा है। संतुलित मानव विकास के लिए यह दुरभिसंधि घातक है।

भारतीय आबादी के सिलसिले में नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) की सांख्यिकीय रिपोर्ट-2023 ने देश में आबादी घटने के भयावह संकेत दिए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार देश में कामकाजी आयुवर्ग (15-59 वर्ष) की जनसंख्या का अनुपात बढ़ रहा है, जबकि 0 से 14 आयुवर्ग की आबादी में लगातार गिरावट देखी जा रही है। यही नहीं, प्रजनन दर में कमी दर्ज की गई है। रपट के अनुसार वर्ष 1971 से 1981 के बीच 0-14 आयुवर्ग की हिस्सेदारी 41.2 फीसदी से घटकर 38.1 फीसदी रह गई है। जबकि 1991 से 2023 के बीच यह आंकड़ा 36.3 प्रतिशत से गिरकर 24.2 प्रतिशत रह गया है। महापंजयक की ओर से जारी इस रिपोर्ट से पता चलता है कि इसी अवधि में देष की कुल प्रजनन दर 1971 के 5.2 से घटकर 2023 में 1.9 रह गई है। एसआरएस ने इस रिपोर्ट में लगभग 88 लाख की नमूना जनसंख्या को दर्ज किया है। इस कारण यह विश्व के सबसे बड़े जनसांख्यिक सर्वेक्षणों में से एक है। इसी 2018 के सर्वेक्षण में एक मां के उसके अपने जीवन काल में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 2.2 आंकी गई थी। अब 2023 के सर्वेक्षण में 1.9 रह गई है। इस दर में गिरावट के चलते वह दिन दूर नहीं, जब देश में कुल प्रजनन दर और नीचे चली जाए? इस विषय के जानकार लोगों का मानना है कि यदि भारत ने यह आंकड़ा छू लिया तो जनसंख्या स्थिर हो जाएगी और फिर कुछ वर्षों में घटने लगेगी। बालिकाओं के गिरते लिंगानुपात के कारण भी यह स्थिति बनेगी। ये हालात सामाजिक विकृतियों को बढ़ावा देने वाले साबित हो सकते हैं। ऐसे में विवाह की उम्र बढ़ाने की जो चर्चा चल रही है, वह निकट भविष्य में बड़ी समस्या पैदा कर सकती है?

अकसर भारत या अन्य देशों में बढ़ती आबादी की चिंता की जाती है। लेकिन अब भारत में कुछ धार्मिक समुदायों और जातीय समूहों में जनसंख्या तेजी से घटने के संकेत मिल रहे हैं। भारत में जहां आधुनिक विकास व विस्थापन के चलते पारसी जैसे धार्मिक समुदाय और आदिवासी प्रजातियों में आबादी घट रही है, वहीं उपभोक्तावादी संस्कृति के प्रचलन में आ जाने से एक बड़ा आर्थिक रूप से सक्षम समुदाय कम बच्चे पैदा कर रहा है। एक राष्ट्र के स्तर पर कोई देष विकसित हो या अविकसित हो अथवा विकासशील, जनसंख्या के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष एक प्रकार की सामाजिक व वैज्ञानिक सोच का प्रगटीकरण करते हैं। अपने वास्तविक स्वरूप में जनसंख्या में बदलाव एक जैविक घटना होने के साथ-साथ समाज में सामाजिक, सांस्कृतिक व आर्थिक आधारों को प्रभावित करने का कारण बनती है। इसलिए भारत में जब पांच अल्पसंख्यक समुदायों में से एक पारसियों की आबदी घटती है तो उनकी आबादी बढ़ाने के लिए भारत सरकार मजबूर हो जाती है। दूसरी तरफ मुस्लिमों को छोड़ अन्य धार्मिक समुदायों की जनसंख्या वृद्धि दर को नियंत्रित करने के कठोर उपाय किए जाते हैं। आमतौर से जनसंख्या नियंत्रण के दृष्टिगत चीन को परिवार नियोजन संबंधी नीतियों को आदर्श रूप में देखा जाकर उनका विस्तार भारत में किए जाने की मांग उठती रहती है। चीन में आबादी को काबू के लिए 1979 में एक परिवार एक बच्चा नीति अपनाई गई थी। लेकिन यह गलतफहमी है कि चीन में आबादी इस नीति से काबू में आई। जबकि सच्चाई यह है कि 1949-50 में चीन में सांस्कृतिक क्रांति के जरिए जो सामाजिक बदलाव का दौर चला, उसके चलते वहां 1975 तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार आम आदमी की पहुंच में आ गया था। साम्यवादी दलों के कार्यकर्ताओं ने भी वहां गांव-गांव पहुंचकर उत्पादक समन्वयक की हैसियत से काम किया और प्रशासन से जरूरतों की आपूर्ति कराई। नतीजतन वहां आजादी के 25-30 साल के भीतर ही राश्ट्रीय

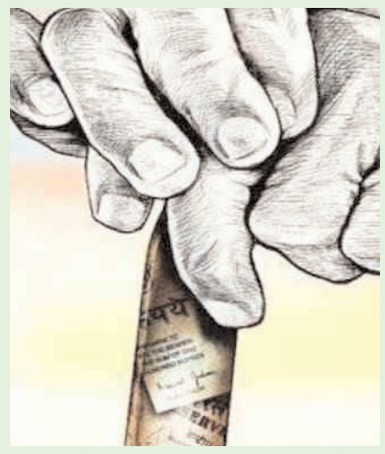

विकास के लिए कम आबादी जरूरी है, यह वातावरण निर्मित हो चुका था।

एक परिवार, एक बच्चा नीति चीन में कालांतर में विनाशकारी साबित हुई। इस नीति पर कड़ाई से अमल का ह। यह हुआ कि आज चीन में अनेक ऐसे वंश हैं, जिनके बूढ़े व असमर्थ हो चुके मां-बाप के अलावा न तो, कोई उत्तराधिकारी है और न ही कोई सगा-संबंधी है। जबकि इस नीति को लागू करने से पहले चीन में एक लड़के पर औसत ग्यारह लड़कियां थीं। इसी तरह भारत में जिस तेजी से पेंशनधारी बुजुर्गों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है, वह आर्थिक व स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से तो संकट पैदा कर ही रही है, देश का भविष्य माने जाने वाले युवाओं से समझौते की शर्त पर बुजुर्गों के हित साधना देशहित में कतई नहीं है। लिहाजा एसआरएस रिपोर्ट पर गंभीरता से गौर करने की जरूरत है।

नजरिया

पितृ ऋण से मुक्ति का पुण्यकाल है पितृ पक्ष

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

हिन्दू धर्म में पितृ पक्ष (श्राद्ध) को बहुत अहम माना गया है। श्राद्ध का अर्थ होता है 'श्रद्धापूर्वक'। हमारे संस्कारों और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने को ही श्राद्ध कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें तो दिवंगत परिजनों को उनकी मृत्यु तिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किया जाना जाना ही श्राद्ध है। हिन्दू पंचांग के अनुसार पितृपक्ष की शुरूआत 7 सितम्बर से हुई है और 21 सितम्बर को सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितृपक्ष का समापन होगा। ब्रह्मपुराण के अनुसार उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम जो भी वस्तु उचित विधि द्वारा श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को दी जाए, वह श्राद्ध कहलाता है। पितृ पक्ष को हिन्दू धर्म में 'महालय' या 'कनागत' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान, तर्पण कर्म और ब्राह्मण को भोजन कराने से पूर्वज प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में लोग अपने पूर्वजों को याद कर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध कर्म, पिंडदान और तर्पण करते हैं। दरअसल हिन्दू धर्म में मृत्यु के पश्चात पितरों की याद में श्राद्ध किया जाता है और उनकी मृत्यु की तिथि के अनुसार ही श्राद्ध की तिथि निर्धारित की जाती है। पिंडदान करने के लिए हरिद्वार और गया

को सर्वोत्तम माना गया है।

हिन्दू धर्म में मान्यता है कि पितृ पक्ष के दिनों में यमराज आत्मा को मुक्त कर देते हैं ताकि वे अपने परिजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। ऐसी ही मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दिनों में पितर नीचे पृथ्वी पर आते हैं और बिना किसी आव्हान के अपने वंशजों के घर किसी भी रूप में जाते हैं। ऐसे में यदि उन्हें तृप्त नहीं किया जाए तो उनकी आत्मा नाराज होकर अतृप्त लौट जाती है। माना गया है कि यदि पितर नाराज हो जाएं तो जिंदगी मुसीबतों से भर जाती है। इसलिए शास्त्रों में पितरों का श्राद्ध विधिपूर्वक करना जरूरी बताया गया है। मान्यता है कि यदि पितर खुशी-खुशी वापस जाते हैं तो अपने वंशजों को दिए गए उनके आशीर्वाद से घर-परिवार में सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है।

पितृ पक्ष के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। पितृ पक्ष में सगाई, विवाह, मुंडन, गृहप्रवेश, परिवार के लिए महत्वपूर्ण चीजों की खरीददारी, नए कपड़े खरीदना, कोई नया कार्य शुरू करना इत्यादि कोई भी शुभ कार्य करना अच्छा नहीं माना जाता। जिंदगी में सफलता के लिए मेहनत, किस्मत, ईश्वरीय कृपा के साथ-साथ पूर्वजों का आशीर्वाद भी बेहद जरूरी होता है और धर्म एवं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पूर्वजों को सम्मान देने से वे प्रसन्न होते हैं तथा पूरे परिवार पर कृपा करते हैं। इसीलिए हमारे दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में तर्पण-श्राद्ध किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों को जल देने की विधि को तर्पण कहा जाता है।

ज्योतिष शास्त्र में पितृ दोष को अशुभ फल देने वाला माना गया है और शास्त्रों के अनुसार पितृ पक्ष में पितरों का तर्पण करने से पितृ दोष से आने वाली परेशानियां दूर होती हैं तथा पितरों का आशीर्वाद मिलता है। देव ऋण, ऋषि ऋण तथा पितृ ऋण का हिन्दू धर्म में विशेष महत्व है और पितृ पक्ष में माता-पिता के प्रति तर्पण करके श्रद्धा व्यक्त की जाती है क्योंकि पितृ ऋण से मुक्त हुए बिना जीवन निरर्थक माना जाता है। सनातन धर्म के अनुसार देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण से मुक्ति पाए बिना व्यक्ति का पूर्ण कल्याण होना असंभव है। पितृपक्ष को लक्ष्मी और ज्ञान की साधना के लिए उत्तम काल माना गया है। पितरों के निमित्त आयोजित किए जाने वाले पितृ पक्ष को आत्मबोध के लिए भी अति उत्तम तथा जीवन के संघर्ष को उत्कर्ष में परिवर्तित करने का समय माना गया है। हिन्दू धर्म ग्रंथों के अनुसार श्रद्धा से किया गया श्राद्ध पूर्वजों तक पहुंचे या न पहुंचे लेकिन यह जीवन में उन्नति और प्रगति के द्वार अवश्य खोल सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ट्रंप की कई आव्रजन नीतियों को अदालतों में दी गई चुनौती

वाशिंगटन/एपी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के इतिहास में सबसे बड़े निर्वासन कार्यक्रम के तहत लाखों लोगों को देश से बाहर निकालने का वादा किया है लेकिन उनकी कई आव्रजन नीतियों को अमेरिकी अदालतों में कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उदाहरण के लिए, एक संघीय अपील अदालत ने पिछले सप्ताह फैसला सुनाया कि ट्रंप प्रशासन कथित वेनेजुएला गिरोह के सदस्यों को शीघ्रता से निर्वासित करने के लिए 18वीं सदी के युद्धकालीन कानून का उपयोग नहीं कर सकता। संभवत: यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंचेगा। ट्रंप प्रशासन की कुछ नीतियां लाखों लोगों को प्रभावित कर सकती हैं।

ट्रंप प्रशासन ने 1798 के एलियन एनिमीज़ एक्ट का उपयोग ''ट्रेन डी अरगुआ'' नामक गिरोह के सदस्यों को विदेशी आक्रांता मानते हुए निष्कासित करने के लिए किया। इन लोगों को एल सल्वाडोर की एक कुख्यात जेल में भेजा गया।

बहरहाल, पांचवें सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने अपने निर्णय में कहा कि यह कानून आपराधिक गिरोहों पर लागू नहीं होता। एसीएलयू के वकील ली गेलरंट ने इसे अदालत की निगरानी के बिना आपात स्थिति घोषित करने के प्रशासन के प्रयासों पर लगाम लगाने वाला फैसला बताया। वहीं, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैकसन ने कहा कि राष्ट्रपति को आतंकवादियों को हटाने और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने का अधिकार है।

एक अन्य नीति के तहत ट्रंप ने 14वें संशोधन की व्याख्या को बदलने के लिए एक कार्यकारी आदेश जारी किया, जिसके तहत अवैध या अस्थायी वीजा पर अमेरिका में मौजूद माता-पिता से जन्मे बच्चों को नागरिकता देने से इनकार किया गया।

वॉशिंगटन, एरिज़ोना, इलिनॉय और ओरेगन जैसे राज्यों ने इस आदेश को चुनौती दी, और संघीय अपीलीय अदालत ने जुलाई में इस आदेश को असंवैधानिक ठहराया।

सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था दी कि सैन फ्रांसिस्को में चीनी माता-पिता से जन्मा बच्चा अमेरिकी धरती पर जन्म लेने के कारण अमेरिकी नागरिक है।

सैन फ्रांसिस्को की एक संघीय अपील अदालत ने जुलाई के अंत में फैसला सुनाया कि ट्रंप का आदेश असंवैधानिक है, और न्यू हैम्पशायर की निचली अदालत के उस फैसले को बरकरार रखा जिसने इस आदेश को देश भर में लागू होने से रोक दिया था। ट्रंप प्रशासन ने उन आप्रवासियों को एल साल्वाडोर और दक्षिण सूडान जैसे देशों में भेजना शुरू किया जिनका उन देशों से कोई संबंध नहीं है।

ट्रंप के अधिकारियों ने कहा है कि ये अप्रवासी अक्सर ऐसे देशों से आते हैं जो उन्हें वापस नहीं लेते या हिंसक अपराधों के दोषी पाए गए हैं। इस साल वकालत करने वाले समूहों ने यह तर्क देते हुए मुकदमा दायर किया कि लोगों के उचित प्रक्रिया अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है और अप्रवासियों को उन देशों में भेजा जा रहा है जहाँ मानवाधिकारों के उल्लंघन का लंबा इतिहास रहा है।

श्रीलंका ने मानवाधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई का विरोध किया

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका ने सोमवार को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में अपने मानवाधिकार रिकॉर्ड पर किसी भी अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप का यह कहते हुए विरोध किया कि ऐसी कार्रवाइयां देश में न्याय और सुलह के लिए चल रहे प्रयासों को कमजोर करती हैं।

यूएनएचआरसी के 60वें नियमित सत्र की शुरुआत सोमवार को जिनेवा में हुई, जहां म्यांमा, श्रीलंका, अफगानिस्तान, सूडान, फलस्तीन और सीरिया सहित कई देशों पर रिपोर्ट और मौखिक अद्यतन जानकारी दी जाएंगी।

श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, श्रीलंका का मानना है कि बाहरी पहल केवल राष्ट्रीय प्रयासों में बाधा बनेंगी और लोगों के बीच ध्रुवीकरण को बढ़ावा देंगी।विदेश मंत्री विजिता हेराथ जिनेवा सत्र में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त की अगस्त में प्रकाशित रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देंगे। यह रिपोर्ट मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क की जून के अंत में श्रीलंका यात्रा के बाद तैयार की गई थी। मंत्रालय ने कहा कि हेराथ परिषद से ''परिवर्तनकारी सुधारों'' के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक ''स्थान और समय देने'' की अपील कर सकते हैं, जिनकी सिफारिश रिपोर्ट में की गई है। रिपोर्ट में श्रीलंका से अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय की अधिकार क्षेत्र संबंधी रोम संविधि को अपनाने, आतंकवाद निरोधक अधिनियम (पीटीए) के उपयोग पर रोक लगाने, ऑनलाइन सुरक्षा कानून जैसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने वाले कानूनों को रद्द या संशोधित करने, सुरक्षा बलों को गैर-न्यायिक तरीकों से परहेज करने के निर्देश जारी करने, और निगरानी गतिविधियों को समाप्त करने की सिफारिश की गई थी।

हालांकि, श्रीलंका ने कहा कि वह रिपोर्ट में दी गई सिफारिशों और निष्कर्षों से सहमत नहीं है, विशेषकर अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई को लेकर। श्रीलंका को विशेष रूप से 2009 में लिट्टे के साथ समाप्त हुए लंबे गृहयुद्ध के अंतिम चरणों के दौरान कथित मानवाधिकार उल्लंघनों को लेकर अंतरराष्ट्रीय जांच का सामना करना पड़ा है।

संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न संस्थाओं और मानवाधिकार संगठनों ने बार-बार कहा है कि श्रीलंका की घरेलू न्याय प्रक्रियाएं पर्याप्त नहीं हैं और अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही तंत्र की आवश्यकता है। लेकिन श्रीलंकाई सरकार का कहना है कि ऐसे बाहरी हस्तक्षेप देश की संप्रभुता का उल्लंघन करते हैं और स्थानीय सुलह प्रयासों को कमजोर करते हैं।

प्रदर्शन

बिहार के दरभंगा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माँ पर अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में सोमवार को अहमदाबाद स्थित भाजपा कार्यालय के बाहर भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी की।

रूस के साथ सौदा करने वाले देशों पर टैरिफ लगाना 'सही विचार' : जेलेंस्की

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भारत का नाम लिए बिना कहा है कि रूस के साथ सौदा करने वाले देशों पर टैरिफ (शुल्क) लगाना ''सही विचार'' है।

जेलेंस्की ने रविवार को एबीसी न्यूज के ''दिस वीक'' कार्यक्रम में प्रसारित एक साक्षात्कार में कहा, ''मुझे लगता है कि उन देशों पर टैरिफ लगाने का विचार सही है जो रूस के साथ सौदे करना जारी रखे हुए हैं...मुझे लगता है कि यह सही विचार है।'' जेलेंस्की से पूछा गया था कि क्या उन्हें लगता है कि तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की तस्वीरें देखकर प्रतिबंध लगाने की उनकी योजना उल्टी पड़ गई।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिया है, जिसमें रूसी कच्चे तेल की भारत द्वारा खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है।

भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को ''अनुचित और अविवेकपूर्ण'' करार दिया है। तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर पुतिन के साथ मोदी की बैठक से दो दिन पहले, जेलेंस्की ने 30 अगस्त को भारत के प्रधानमंत्री को फोन किया था।

'गांधी' के प्रीमियर के साथ हंसल मेहता ने फिर किया टीआईएफएफ में वापसी

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर फिल्म निर्माता हंसल मेहता एक बार फिर अपनी सीरीज गांधी के प्रीमियर के लिए 50वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 में आए हुए हैं। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी। निर्माता ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनके साथ प्रतीक गांधी, ए.आर. रहमान और बाकी कलाकार नजर आ रहे हैं। हंसल मेहता ने पोस्ट में बताया कि वह सबसे पहले टीआईएफएफ में शाहिद के साथ आए थे।

उस यात्रा ने उनकी जिंदगी बदल दी थी। फिर 2016 में वह फिल्म ओमेर्ता के साथ फेस्टिवल में लौटे थे। निर्माता ने पोस्ट में लिखा, 2012 में मैं पहली बार टीआईएफएफ में शाहिद के साथ गया था। उस यात्रा ने मेरी जिंदगी बदल दी। इसने मुझे एक आवाज दी, विश्व मंच पर एक जगह दी। 2016 में मैं ओमेर्ता के साथ फिर लौटा, यह एक ऐसी फिल्म थी, जो मेरे लिए हमेशा खास रहेगी, भले ही उसे उतना सम्मान न मिला हो, जिसकी वह हकदार थी।

निर्माता ने आर्थिक तंगी को याद करते हुए कहा, मुझे अभी भी जय के साथ वह पहला समय याद है, जब हम मुश्किल से एक अच्छा खाना खरीद पाते थे। एक और साल, राजकुमार और मैं यहां 24 घंटे से भी कम समय के लिए थे। लेकिन, इस बार कुछ अलग है। यह बहुत खास लग रहा है। मैं यहां अपने सबसे निजी काम के लिए आया हूं और मेरे साथ वे लोग हैं जिन्होंने इसे संभव बनाया। और जो लोग यहां नहीं आ सके, हम आपके प्यार, आपकी खुशी और 'गांधी' में डाले गए आपके जुनून को अपने साथ इस शानदार उत्सव में लेकर आए हैं। टोरंटो एक ऐसा शहर है जो फिल्मों को बहुत पसंद करता है और टीआईएफएफ दुनिया के सबसे शानदार फिल्म त्योहारों में से एक है। यहां पर अपने काम को दिखाना किसी तोहफे से कम नहीं है। यह मुझे एक नई यात्रा की तरह लगता है, लेकिन ऐसा भी लगता है जैसे यह सफर बहुत समय से धीरे-धीरे बन रहा था। एक खूबसूरत सफर। हमेशा आभारी रहूंगा।

अभिनेता गिडियन फिर्ल बोले- यीशु की शिक्षाएँ भारतीय मूल्यों से मेल खाती हैं

नई दिल्ली/एजेन्सी

माइटीराइट मीडिया ने अपनी विशेष फिल्म जीसस का इंडिया प्रीमियर बड़े धूमधाम से मनाया। यह फिल्म पूरी तरह से अमेरिकन साइन लैंग्वेज में बनी है, जिसे अब भारतीय दर्शकों के लिए इंडियन साइन लैंग्वेज और हिंदी में डब किया गया है। यह दुनिया की पहली फिल्म है जो विशेष रूप से डेफ प्रोफेशनल्स द्वारा डेफ कम्युनिटी के लिए बनाई गई है। फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद एक विशेष प्रश्न-उत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें फिल्म के अभिनेता गिडियन फिर्ल (जिन्होंने यीशु का किरदार निभाया है) और भारतीय मूल के अमेरिकी सुमित मलिक शामिल थे। गिडियन फिर्ल ने भारतीय दर्शकों से बात करते हुए कहा, यीशु की शिक्षाएं भारतीय मूल्यों से गहराई से जुड़ी हैं। करुणा, संवेदना और समावेश का संदेश भारत की सांस्कृतिक धरोहर से पूरी तरह मेल खाता है।

भारतीय दर्शकों के साथ यह कहानी साझा करना मेरे लिए गर्व की बात है। यह प्रीमियर सिर्फ एक फिल्म का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि समावेशी सिनेमा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम था। जीसस ने अमेरिकन साइन लैंग्वेज, इंडियन साइन लैंग्वेज, हिंदी और अंग्रेजी का उपयोग करके भाषा की बाधाओं को खत्म कर दिया। इस फिल्म के जरिए प्यार और स्वीकार्यता का सार्वभौमिक संदेश सभी दर्शकों तक पहुँचाया गया। इस प्रीमियर में संगीतकार मनन शाह, माइटीराइट मीडिया की संस्थापक वर्षा ए. जैन और एक्टर-प्रोड्यूसर इन्नामुल हक जैसी कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद थीं।

'मिराई' की शूटिंग पर बोले तेजा सज्जा : हर स्टंट असली था, हर चोट कीमती थी

मुंबई/एजेन्सी

तेजा साज्जा स्टारर मिराई का ट्रेलर रिलीज़ कर दिया गया है और इसने तहलका मचा दिया है। यह फिल्म बड़े पर्दे पर एक विज़ुअल थंडरस्टॉर्म का वादा करती है। निर्देशक कार्तिक गट्टमनेनी और निर्माता टी.जी. विश्व प्रसाद व कृति प्रसाद (पीपल मीडिया फ़ैक्टरी) के बैनर तले बनी यह एक्शन-पैक्ड महागाथा इतिहास और विस्फोटक स्पेक्टेकल का संगम है, जो 12 सितम्बर 2025 को सिनेमाघरों में दहाड़ने आ रही है। वहीं, उत्तर भारत में इसका वितरण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस प्रस्तुत करेगी। जहां ट्रेलर ने सभी को फिल्म को लेकर रोमांचित कर दिया है, वहीं दूसरी ओर इसके एक्शन सीक्वेंस भी बेहतरीन दिख रहे हैं। एक्शन और स्टंट्स के पीछे की तैयारी के बारे में बात करते हुए तेजा साज्जा ने कहा: हमने तेज़-रफ्तार वाले एक्शन स्टंट किए हैं। इसके लिए हमने थाईलैंड से केचा मास्टर और नांग मास्टर को बुलाया। मैं खुद थाईलैंड गया और वहाँ करीब 20 दिन तक अपने रोल के लिए ट्रेनिंग की।

अपनी चोटों और कठिनाइयों के बारे में बताते हुए तेजा साज्जा ने कहा:मिराई की शूटिंग के दौरान मेरी कलाई में लिगामेंट इंजरी हो गई थी। फिल्म में मेरे हाथ में जो स्टाफ (डंडा) है और जिसे मैं घुमाता हूँ, उसका वज़न छह किलो है। जब मुझे उसे घुमाना पड़ा, तभी मेरी कलाई में लिगामेंट की चोट आई।फिल्म में जो भी स्टंट्स आप देखेंगे, वो सब लाइव स्टंट्स हैं और मैंने खुद किए हैं। कई सारे रोप शॉट्स भी थे। हनु-मान की शूटिंग के दौरान मेरी रीढ़ की हड्डी के उ4-उ5 हिस्से में दर्दनाक चोट आई थी। इसलिए जब भी मुझे रोप पहनकर स्टंट करना पड़ता, दर्द होता था। लेकिन इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता, क्योंकि स्टंट्स शानदार निकले हैं। तेजा साज्जा के साथ फिल्म में मनोज मांचू, जगपति बाबू, जयराम, श्रिया सरन और ऋतिका नायक भी नज़र आएंगे। गौरा हरी के जोशीले संगीत के साथ, जो ड्रामा और विज़ुअल्स को और भी ऊँचाई देता है और तकनीकी सीमाओं को तोड़ता है, मिराई खुद को भारतीय सिनेमा के लिए एक साहसिक नए अध्याय के रूप में पेश कर रही है।

अक्षय कुमार ने जुहू बीच साफ कर लोगों को दी सीख, बोले, 'सफाई सबकी ड्यूटी'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार को रविवार को मुंबई के जुहू बीच पर देखा गया। यहां वे एक सफाई अभियान में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने समुद्र तट की सफाई की और लोगों को खास संदेश भी दिया। दरअसल, मुंबई के जुहू बीच पर गणपति विसर्जन के बाद कूड़ा-कचरा फैल जाता है। इसी कारण उसकी सफाई के लिए अभिनेता अक्षय कुमार भी पहुंचे। सफाई अभियान के दौरान उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। उन्होंने कहा, ज्ञान सिखाता है कि हमें स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री भी समय-समय पर इस पर जोर देते रहते हैं। स्वच्छता केवल सरकार का कर्तव्य नहीं है, न ही केवल बीएमसी की जिम्मेदारी है, बल्कि यह जनता की भी जिम्मेदारी है। इस स्वच्छता अभियान में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी भी शामिल हुए। इसकी कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो में अक्षय कुमार कचरे को थैलों में डालते दिखाई दे रहे हैं। उनके साथ अमृता और अन्य लोग भी दिखाई दे रहे हैं।

हाल ही में अक्षय कुमार ने पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ से पीड़ित लोगों के लिए 5 करोड़ रुपए दान किए थे। अक्षय कुमार ने लोगों से भी बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए गुहार लगाई थी। उन्होंने कहा था, मैं पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री खरीदने के लिए 5 करोड़ रुपए दे रहा हूं, लेकिन मैं कौन होता हूं, किसी को 'दान' देने वाला? जब भी मुझे मदद का हाथ बढ़ाने का अवसर मिलता है, तो मैं खुद को धन्य महसूस करता हूं। आप भी जितना हो सके, लोगों की मदद करें। उन्होंने इसे सेवा बताया था और बाढ़ पीड़ितों के लिए ईश्वर से प्रार्थना भी की थी। वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार के पास कई फिल्में हैं। उनकी फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा, उनके पास 'भूत बांग्ला' फिल्म भी है, जिसमें वामिका गब्बी और परेश रावल भी हैं। साथ ही उनके पास सुनील शेट्टी और परेश रावल के साथ 'हेरा फेरी 3' भी है।

संजय दत्त ने बताया, 'पढ़ाई से बचने के लिए एक्टिंग का रास्ता चुना'

मुंबई । अभिनेता संजय दत्त हाल ही में कपिल शर्मा के कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में अपने करीबी दोस्त और अभिनेता सुनील शेट्टी के साथ नजर आए। यहां अभिनेता ने बताया कि उन्होंने पढ़ाई से बचने के लिए ही एक्टर बनना चुना था। इसका एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। इसमें कपिल शर्मा संजय दत्त से पूछते हैं, आप बचपन में खूब शरारती थे।

जब आपने पहली बार अपने पिता को बताया कि आप एक्टर बनना चाहते हैं तो उनका क्या रिएक्शन था? इस पर संजय दत्त ने कहा, मुझे थप्पड़ पड़ा। पापा ने कहा कि पढ़ाई करना बहुत जरूरी है। एक्टर बनना आसान नहीं है। मैंने सोचा था कि एक्टर बन जाऊंगा तो पढ़ाई से बच जाऊंगा। कॉलेज नहीं जाना पड़ेगा, इसलिए मैं एक्टर बनना चाहता था। मैंने जिद की, तो पापा बोले, 'सुबह 5 बजे उठ जाना कल। कल से तुम्हें घुड़सवारी सीखनी है।' मैं परेशान, इतनी जल्दी कैसे उठूंगा। कपिल, मैंने 6 महीने बाद पापा से पूछा था कि क्या मैं फिर से कॉलेज चला जाऊं।

संजय दत्त को सुबह उठना पसंद नहीं था, इसलिए उन्होंने अपने पिता सुनील दत्त से फिर से कॉलेज जाने के बारे में पूछा था। यह एपिसोड जल्द ही नेटफ्लिक्स

पर रिलीज किया जाएगा। इस शो में वे अपने जेल के दिनों को भी याद करते दिखाई देंगे। यह एपिसोड बहुत ही मजेदार होने वाला है। फिल्मों की बात करें तो संजय दत्त की लेटेस्ट फिल्म 'बागी 4' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। दर्शक इस मूवी में उनके किरदार को पसंद कर रहे हैं। फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ, हरनाज संधू, सोनम बाजवा और अन्य कलाकार हैं। 'बागी 4' का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है। साजिद ने ही इसकी कहानी और पटकथा भी लिखी है। इसके निर्देशक ए. हर्ष हैं। इस मूवी से हरनाज संधू बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। संजय दत्त आने वाले दिनों में 'धुरंधर', 'द राजासाहब', 'वेलकम टू द जंगल', 'केडी: द डेविल' जैसी फिल्मों में दिखाई देंगे।

ईशा गुप्ता ने पूरी की 'धमाल 4' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस और बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक, ईशा गुप्ता अब अपनी कॉमिक टाइमिंग और दमदार स्क्रीन प्रेज़ेन्स से दिल जीतने के लिए तैयार हैं धमाल 4 में। अजय देवगन और पूरी एनसेंबल कास्ट के साथ बड़े पैमाने पर शूटिंग करने के बाद, अभिनेत्री ने अब अपनी शूटिंग पूरी कर ली है और निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर इंद्र कुमार की इस बहुप्रतीक्षित कॉमेडी एक्स्ट्रावेगेंज़ा का रैप-अप घोषित कर दिया है।ईशा के लिए धमाल 4 अजय देवगन के साथ उनकी तीसरी फिल्म है, बादशाहो और टोटल धमाल के बाद। पिछले महीने अजय और ईशा को माध आइलैंड में महत्वपूर्ण सीक्वेंसेज़ शूट करते हुए देखा गया था, जहां उनके साथ रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा और अन्य कलाकार भी शामिल थे। रैप-अप के मौके पर ईशा ने कहा धमाल जैसी दर्शकों की पसंदीदा फ्रेंचाइज़ का हिस्सा बनना मेरे लिए एकदम खुशी की बात है। इंद्र सर, अजय और पूरी टीम के साथ काम करना, टोटल धमाल के बाद एक बार फिर, अविस्मरणीय अनुभव रहा। अजय एक पावरहाउस टैलेंट हैं, और सेट पर उनकी सहजता और एनर्जी सबको और बेहतर बना देती है। सेट का माहौल हमेशा मजेदार, हंसी-खुशी और पॉज़िटिविटी से भरा रहा। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूं कि दर्शक वो पागलपन और मस्ती देखें जो हमने क्रिएट की है। शूट खत्म करना मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि ये फिल्म सच में प्योर एंटरटेनमेंट है और इसका हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूं। अपनी स्ट्राइकिंग ब्यूटी, मैग्नेटिक स्क्रीन प्रेज़ेन्स और नैचुरल परफ़ॉर्मेंस के लिए मशहूर ईशा अब एक बार फिर धमाल यूनिवर्स पर राज करने के लिए तैयार हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 09-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय उत्तरप्रदेश सेवा मण्डल की ओर से पितृपक्ष प्रारंभ होने के उपलक्ष्य में रविवार को मागड़ी रोड स्थित गांधी वृद्धाश्रम में अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंडल के अध्यक्ष कृष्णकान्त दुबे ने सभी का स्वागत किया।

सद्गुणों से कम हो सकते हैं राग और द्वेष : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में सोमवार को उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि राग और द्वेष संसार के मूलबीज हैं। सारी समस्याएं इन्हीं की उपज हैं। इन्हें नियंत्रित या नष्ट किए बिना आध्यात्मिक विकास नहीं हो सकता। सद्गुण, राग-द्वेष को कम करने का श्रेष्ठ उपाय है। गुणीजनों की संगति, सत्साहित्य का पठन और सद्गुणों के प्रति लगाव जीवन में धीरे-धीरे गुणों के भंडार को भरते हैं। सद्गुणों की वह अमूल्य निधि ही मनुष्य के मन से राग-द्वेष को कम करने का काम करती है। आसक्ति, ममत्व, इच्छाएं, वासनाएं, माया-कपट, लोभ-लालसा, ईर्ष्या, अभिमान, क्रोध, झूठ, चोरी, निंदा, प्रपंच आदि हजारों दोष-दुर्गुण हैं, जो राग-द्वेष की संतानें हैं। संसार के हर प्राणी के दुःखों और समस्याओं के ये ही कारक तत्व हैं। सद्गुणों का विकास इन दोषों-दुर्गुणों को दूर करता है और जीवन को सुख-शांति व उन्नति की ओर अभिमुख करता है। यही आध्यात्मिक साधना के सूत्र है। इनके निरंतर प्रयोग किए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने कर्मवाद के सिद्धांत का तार्किक निरूपण किया है। उसे समझे बिना दुःखों से निजात पाया नहीं जा सकता। कोई इस भ्रांति में कभी मत रहना कि जो कन्या बहु बनकर आपके घर आयी है वो अथवा आपके परिवार में जितने सदस्य हैं वे आपको सुख-शांति देने आए हैं। संभव है कि वे सुख-शांति के लिए नहीं, बल्कि आपके दुःख और अशांति के लिए परिवार में आये हों। वे पुराने किसी जन्म का बदला लेने अभी आपके घर जन्म लिए हों। अक्सर यह देखा जाता है कि ऐसे अवगुणी लोगों के कारण अपना जीवन और परिवार एक संग्राम बन जाता है, इसलिए सज्जनों व सद्गुणों का संयोग और सात्विक भावनाओं का विकास करते हुए शांति पूर्वक जीवनयापन करना ही श्रेष्ठ है। पुराने जन्मों के जितने राग-द्वेष हम इस जन्म में समाप्त कर सकें, उतना अपना सौभाग्य।

मनुष्य जीवन में ही ज्ञान व विवेक पूर्वक राग-द्वेष कम किए जा सकते हैं। पशु-पक्षी या जीव-जंतुओं के तौर पर ऐसा कर पाना असंभव जैसा है। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि बुधवार को संघ के पार्श्वनाथ जिनालय में विविध मंत्र विधानों से संगीतमय पंचाभिषेक का आयोजन किया गया है। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने सभी का स्वागत किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आर ओ प्यूरीफायर प्रदान

बेंगलूरु के प्रसिद्ध समाजसेवी बाबूलाल गुप्ता द्वारा संचालित फाउंडेशन की ओर से 250 लीटर का एक प्यूरीफ़ायर बीएमटीसी कोरमंगला बस अड्डे पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लगवाया गया। इसका लोकार्पण गत रविवार को राज्य के यातायात मंत्री रामलिंगा रेड्डी द्वारा किया गया। मंत्री श्री रेड्डी ने बाबूलाल गुप्ता का सपत्नीक सम्मान किया।

उत्तरप्रदेश मंडल ने गांधी वृद्धाश्रम में किया अन्नदान, दिया सहयोग

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय उत्तरप्रदेश सेवा मण्डल की ओर से पितृपक्ष प्रारंभ होने के उपलक्ष्य में रविवार को मागड़ी रोड स्थित गांधी वृद्धाश्रम में अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंडल के अध्यक्ष कृष्णकान्त दुबे ने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्ष एवं भजन गायक प्रवीण मिश्रा ने भजनों की प्रस्तुति दी। मंडल की ओर से गांधी वृद्धाश्रम को इक्कीस हजार रुपए की आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। इस अवसर पर मंडल के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र गर्ग, सचिव वीके पटेल, एनके गुप्ता, राकेश गोयल, सूरज गोयल, प्रमोद कुमार गुप्ता, जीतेन्द्र गुप्ता, अशोक शर्मा, व्यवस्थापक छोटेलाल चौरसिया सहित अन्य पदाधिकारी, सदस्यगण एवं महिलाएं भी उपस्थित थीं।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु की सामाजिक संस्था 'सेकंड इनिंग्स' द्वारा प्रति माह की भांति सोमवार को स्थानीय वाणी विलास हॉस्पिटल में अन्नदान कार्यक्रम संपन्न हुआ। साधर्मिक परिवार द्वारा प्रायोजित इस अन्नदान के अध्यक्ष विजय मरलेचा, पूर्व अध्यक्ष रतनलाल श्रीश्रीमाल, उपाध्यक्ष गौतमचंद धारीवाल, मंत्री जयंतीलाल श्रीश्रीमाल आदि सदस्यों ने सहयोग दिया।

वीतराग अवस्था ही आत्मा की सबसे उच्च और शुद्ध स्थिति : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'उत्कृष्ट भावनाओं का उदय होने पर वीतरागिता का मार्ग प्रशस्त होता है। वीतराग अवस्था ही आत्मा की सबसे उच्च और शुद्ध स्थिति है।' यह विचार विल्सन गार्डन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्री ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मनुष्य को संसार में रहते हुए व्रतों और नियमों का पालन करते हुए आध्यात्मिक उन्नति के लिए निरंतर पुरुषार्थ करना चाहिए। जब व्यक्ति अपने अंतर-हृदय में राग-द्वेष की भावनाओं को मंद करता है, तब उसके भीतर शांति और संतोष का प्रकाश फैलता है। जीवन में तप, संयम और साधना का महत्व अपार है। यदि हम अपने छोटे-छोटे मोह, क्रोध, लोभ और अहंकार को घटाना सीख जाएँ तो हमारा जीवन सरल, पवित्र और धर्ममय बन सकता है। यथार्थ सुख बाहर की वस्तुओं में नहीं, बल्कि आत्मा के भीतर ही निहित है। साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि मनुष्य को हर परिस्थिति में धैर्य और सहनशीलता बनाए रखनी चाहिए। विपरीत परिस्थितियों में भी संयमित रहना ही सच्चे साधक का लक्षण है। जीवन में कठिनाइयाँ और परीक्षाएँ आती हैं, परंतु इन्हीं के माध्यम से आत्मबल और पुरुषार्थ की कसौटी पर खरा उतरने का अवसर मिलता है। चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने स्वागत किया। सभा में अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। संचालन पारसमल कटारिया ने किया।

फीजियोथेरेपी शिविर से लाभान्वित हुए लोग

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के राजाजीनगर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सोमवार को इंटरनेशनल फीजियोथेरेपी डे के उपलक्ष्य में आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक केन्द्र श्रीरामपुरम में निःशुल्क फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष सुनीता कोठारी ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस तरह के फीजियोथेरेपी शिविर राजाजीनगर में नियमित रूप से किए जा रहे हैं। इस शिविर में 45 लोग लाभान्वित हुए। इस मौके पर फीजियोथेरेपिस्ट डॉ नेत्रा. एस पुजर एवं केन्द्र के स्टाफ का सम्मान किया गया। संयोजिका भावना पोरवार और सह संयोजिका सपना गन्ना सहित मंडल व कन्या मंडल की अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं। भावना पोरवार ने सभी को धन्यवाद दिया।

अरसीकेरे में आयोजित हुआ पूनम मेला, उमड़े श्रद्धालु

अरसीकेरे/दक्षिण भारत। शहर के दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे में आयोजित पूनम मेला का आयोजन रविवार को किया गया जिसका संपूर्ण लाभ अनराज, सुरेशकुमार भंडारी परिवार ने लिया और रेल यात्रा द्वारा यात्रा संघ तीर्थ पहुंचकर सेवा पूजन का लाभ लिया। तुषार गुरु ने भैरव महापूजन की विधि कराई। संभव संगीत मंडल के सदस्य, गायक उमेश भंडारी एवं प्रिंस भंडारी के साथ प्रकाश राठौड़ एवं रिंकु बाफणा ने भजनों की प्रस्तुति दी।

इस मौके पर राष्ट्रीय भैरव भक्त परिवार द्वारा पूनम संघ यात्रा की व्यवस्था संभाली। इस मौके पर परंपरागत भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प व तेल अर्पण कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर बेंगलूरु व राज्य के अन्य शहरों से अनेक सदस्य उपस्थित हुए। ट्रस्ट के महासचिव मांगीलाल मेहता ने सभी का स्वागत किया एवं लाभार्थी परिवार का सम्मान किया।

इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष पारसमल वेदमुथा, मैनेजिंग ट्रस्टी मनोहरलाल सुराना, रमेश कुमार कटारिया आदि उपस्थित थे।

जोधपुर एसोसिएशन के स्नेह मिलन में तपस्वियों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जोधपुर एसोसिएशन का गणेश चतुर्थी, क्षमापना संवत्सरी, स्नेह मिलन समारोह एवं वार्षिक साधारण सभा सुसवाणी माता मंदिर स्थल के प्रांगण में रविवार को सम्पन्न हुई। मंचासीन संरक्षक पदमराज मेहता, लक्ष्मीचंद भंडारी (टांइसा), राजेंद्र कुमार लोढा, अध्यक्ष कैलाश भन्साली, उपाध्यक्ष सज्जनराज मेहता, मंत्री राजेश भंडारी, कोषाध्यक्ष रौनक गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष अशोक व्यास द्वारा दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अध्यक्ष कैलाश भन्साली ने सभी का स्वागत करते हुए सभी से क्षमायाचना की। मंत्री राजेश भंडारी ने मंत्री प्रतिवेदन पेश किया। कोषाध्यक्ष रौनक गुलेच्छा ने हिसाब किताब प्रस्तुत किया। गोपाल राठी को ऑडिटर के रूप में नियुक्ति की घोषणा की गई। प्रायोजक प्रेम धीरेन्द्र भंडारी और कमला मेहता, विमलराज मेहता परिवार सहित तपस्वियों का सम्मान सहमंत्री नरेंद्र भंडारी, पूर्व मंत्री जितेंद्र दुगड़, महेंद्र जोधपुरी ने किया। प्रभा गुलेच्छा और प्रमिला मेहता के संयोजन में 'खेल खेल में भारत दर्शन' के आयोजन को सभी ने सराहा। इस मौके पर अनेक सदस्यों ने व्यवस्था संभाली। सज्जनराज मेहता ने संचालन करते हुए सुराणा परिवार और विशेषकर अर्चना-दिलीप सुराणा तथा सभी सहयोगी सदस्यों को धन्यवाद दिया। अंत में सुशील धाम तथा सुसवाणी माता मंदिर के दर्शन और आरती की।

वैशाली जनकल्याण समिति ने शुरू की दुर्गा पूजा की तैयारियां

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वैशाली जनकल्याण समिति द्वारा दुर्गा पूजा का आयोजन 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक बीटीएम लेआउट स्थित तोंतदा सिद्धलिंगेश्वर सामुदायिक भवन में किया जाएगा। 22 को कलश स्थापना, 29 को महासप्तमी पूजा, 30 को महाअष्टमी पूजा, 1 अक्टूबर को महानवमी पूजा व 2 अक्टूबर को विजयादशमी के साथ विसर्जन होगा। दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर बीटीएम लेआउट में बैठक में पूजा अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, मुकेश सिंह, पंकज सिंह, धीरेंद्र सिंह, निशांत द्विवेदी, राजीव रंजन गोपालकुमार, दिनेशकुमार आदि शामिल हुए। दुर्गा पूजा के आयोजन के लिए लोगों को अलग अलग जिम्मेदारी दी गई। पूजा में अधिक से अधिक प्रवासी लोगों को जोड़ने और इसे सफल बनाने सहित अन्य विषयों पर चर्चा हुई।

दान देने की रुचि जागृत करें : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराधययन सूत्र पर सारगर्भित विवेचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि देव बनना सरल है लेकिन मनुष्य बनना कठिन है। मनुष्यत्व, श्रुत, श्रद्धा और आचरण इन चार अंगों की प्राप्ति को अति दुर्लभ बताते हुए उन्होंने कहा कि देवता भी इस मनुष्य जन्म को पाने के लिए तरसते हैं। अकाम निर्जरा करके भी मनुष्य जन्म को किसी किस्मत से प्राप्त कर सकता है और सकाम निर्जरा साधना, जप, तप, आराधना करके भी मनुष्य जन्म मिल सकता है। जो मन के भीतर रहता है, चिंतन मनन करता है वह मनुष्य है।भगवान महावीर स्वामी ने कहा है कि चार कारणों से जीव मनुष्य गति का आयुष्य बांधते हैं। उन्होंने चार दुर्लभ अंगों को क्रमशः प्राप्ति, श्रुति, रुचि और कृति के माध्यम से समझाते हुए कहा कि अल्प कषाय वाले, जिसमें दान की रुचि है ऐसी आत्मा भी अपना अगला भव मनुष्य का मिल सकता है। मात्र संपत्ति ही नहीं, आप शिक्षा, औषध, आहार, सेवा आदि प्रकल्प के जरिए भी दान के रूप में पुण्य का उपार्जन कर सकते हैं।ङ्कश्री शालिभद्र मुनिजी ने आश्रव भावना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शरीर के साथ रहने वाली आत्मा की मोह दशा में कर्म का प्रवाह किस प्रकार आत्मा में प्रवेश पाता है यह चिंतन, बात इस भावना में किया गया है। उन्होंने आगे पांच प्रकार के मिथ्यात्व पर भी सारगर्भित विवेचना प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत समिति के महामंत्री महावीरचन्द मेहता ने किया। संचालन शालिभद्र मुनि जी ने किया।

'हिन्दी भारतीय एकता एवं संस्कृति का परिचायक है'

लोयला महाविद्यालय में आयोजित हुआ हिंदी दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के लोयला कॉलेज के तत्वावधान में शनिवार को हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस हिंदी पर्व के अवसर अनेक प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ फादर अलफोनसे फर्नंडीज एसजे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ वी तारा नायर ने कार्यक्रम का संयोजन किया। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में डीआरडीओ के ग्राफोलोजिस्ट, साहित्यकार और अनुवाद विशेषज्ञ डॉ. रंजीत कुमार ने हिन्दी में 95 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया।

डॉ रंजीत ने कहा कि श्रेष्ठ भारत के निर्माण, भारतीय संस्कृति, भारतीय ज्ञान परंपरा के संवर्धन में हिन्दी की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही है, साथ ही देश के आर्थिक उन्नति में हिन्दी का विशेष योगदान रहा है इसलिए हिंदी भारत की आत्मा है और संपूर्ण राष्ट्र की वाणी है और भारतीयता की पहचान है।

उन्होंने कहा कि हिन्दी भारतीय एकता एवं संस्कृति का परिचायक है।यह ज्ञान विज्ञान अध्यात्म और भारतीय संस्कृति की वाहिका एवं संरक्षिका रही है। हिंदी भारतीयता की परिभाषा है। हिंदी राष्ट्रीय एकता एवं प्रगति की संवाहिका है। हिंदी सद्भावना, प्रेम,भाईचारा एवं संवाद की मधुर एवं प्रिय भाषा है और भारतीय संस्कृति की परिभाषा है। हिंदी मधुर सरल सहज-वैज्ञानिक भाषा है।

भारतीय ज्ञान विज्ञान, सभ्यता, संस्कृति और संस्कार के प्रचार-प्रसार में हिंदी साहित्य का उल्लेखनीय योगदान रहा है। हिंदी हमारे देश की, वैज्ञानिक चेतना, सामाजिक चेतना सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय एकता को मजबूती प्रदान की है, इसलिए हिंदी हम सबके लिए मान, सम्मान एवं अभिमान है। यह हमारे देश की आजादी की भाषा रही है। इसलिए राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है हिंदी है। आज विश्व में हिंदी सर्वाधिक आवादी द्वारा प्रयोग एवं व्यवहार में लाई जाती है।

कार्यक्रम में मीडिया फिल्म दूरदर्शन, रेडियो, शिक्षा, अनुवाद, हिन्दी ई-टूल्स, संवाद लेखन, पुस्तक लेखन और प्रकाशन, दैनिक समाचार पत्र, यू ट्यूब निर्माण, ब्लॉग लेखन, रील, काव्य प्रस्तुति, नाट्य प्रस्तुति, हिन्दी शोध और अनुसंधान, मनोरंजन के क्षेत्र इत्यादि के क्षेत्र में रोजगार के अवसर के बारे में विशिष्ट व्याख्यान दिए गए। प्रो तारा नायर ने सभी को धन्यवाद दिया ।

चीन और भारत के बीच सहयोग से आसियान को लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर/भाषा। भारत और चीन को ''एशिया की तरक्की के इंजन'' बताते हुए सिंगापुर के एक वरिष्ठ मंत्री ने सोमवार को कहा कि जब नई दिल्ली और बीजिंग आपसी संवाद और सहयोग को बढ़ाते हैं तो दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) को लाभ होता है।

व्यापार एवं उद्योग राज्य मंत्री एल्विन टैन ने हाल ही में चीन और भारत के बीच फिर से बातचीत होने के संबंध में कहा, ''आसियान एक ऐसा मंच है जहां दोनों दिग्गज देश (भारत और चीन) व्यापक क्षेत्र से जुड़ सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''आसियान के साथ-साथ वे एशिया की तरक्की के इंजन हैं।''

आसियान एक क्षेत्रीय संगठन है, जिसे आर्थिक वृद्धि, सामाजिक प्रगति और क्षेत्र में शांति व स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com